राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 02 अगस्त–2021 वर्ष–4, अंक – 190 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वैज्ञानिकों का दावाः मरीजों के शरीर में ही आकार ले रहे कोरोना के नए वैरिएंट

● कोरोना के नए वैरिएंट की उत्पत्ति को लेकर वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि ये वैरिएंट कोरोना संक्रमित शख्स के शरीर में ही बढ़ते हैं और आकार लेते हैं।

नई दिल्ली। वैज्ञानिकों ने कोरोना वायरस के नए वैरिएंट के पीछे के रहस्य को समझने का दावा किया है। उनका मानना है कि कोरोना वैरिएंट संक्रमित शख्स के शरीर में ही बढ़ते हैं और आकार लेते हैं। हैदराबाद में सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (सीसीएमबी) सहित कई शोध संस्थानों के वैज्ञानिकों ने कोरोना वायरस के नए वैरिएंट के पीछे के रहस्य को समझने का दावा किया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि कोरोना वायरस एक संक्रमित शख्स के शरीर में परिवर्तन से गुजरता है और एक बार यह हो जाने के बाद यह अपने साथ परिवर्तन करने वाले नए लोगों को संक्रमित करता है। इसके जरिये ही नए वैरिएंट बनते हैं। सीसीएमबी के अलावा, इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी (सीएसआईआर-आईजीआईबी), दिल्ली, इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफ साइंसेज, भुवनेश्वर, एकेडमी फॉर साइंटिफिक एंड इनोवेटिव रिसर्च, गाजियाबाद, नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल, नई दिल्ली और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के शोधकर्ता, जोधपुर के शोधकर्ताओं ने इस अध्ययन में भाग लिया। टीम ने पाया कि व्यक्तियों में लगभग 80 प्रतिशत जीनोम बाद में नए वैरिएंट के रूप में सामने आए।

पेगासस कांड

सुप्रीम कोर्ट में पांच अगस्त को होगी सुनवाई, केंद्र सरकार पर जासूसी कराने का आरोप

नई दिल्ली। पेगासस जासूसी मामले में सुप्रीम कोर्ट पांच अगस्त को सुनवाई करेगा। मुख्य न्यायाधीश एन वी रमण की बेंच में इस मामले की सुनवाई गुरुवार को होगी। बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ पत्रकार एन राम और शशि कुमार की ओर से अर्जी दाखिल कर स्वतंत्र जांच की मांग की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट से सुनवाई करने की अपील–शीर्ष अदालत के प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण की अगुआई वाली बेंच के सामने वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि इस मामले पर सुनवाई की जरूरत है। यह नागरिकों की स्वतंत्रता और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मसला है। इसकी सुनवाई जल्दी होनी चाहिए। सिब्बल ने प्रधान न्यायाधीश के सामने बताया कि सरकार ने पेगासस स्पाइवेयर का इस्तेमाल कर विरोधी दलों के नेताओं, पत्रकारों और जजों के फोन टैप किए हैं। इसका असर ना केवल देश में बल्कि विदेशों में भी हुआ है। इसपर चीफ जस्टिस रमण ने आगले हफ्ते सुनवाई करने की बात कही थी।

पेगासस पर विपक्ष के निशाने पर केंद्र सरकार– पत्रकारों की ओर से दायर याचिका में पूछा गया है कि क्या भारत सरकार या उसकी किसी एजेंसी ने इस्त्राइली सॉफ्टवेयर पेगासस खरीदने के लिए लाइसेंस लिया था या इस्तेमाल करने के लिए मंजूरी ली थी। बता दें कि पेगासस मामले पर विपक्ष केंद्र सरकार पर हमलावर है। संसद से लेकर सड़क तक विपक्षी दलों के नेता सरकार के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। संसद में विपक्षी दलों के सांसद लगातार इस मुद्दे को लेकर हंगामा कर रहे हैं। साथ ही प्रधानमंत्री और गृहमंत्री से जवाब की मांग कर रहे हैं।

● शीर्ष अदालत के प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण की अगुआई वाली बेंच के सामने वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि इस मामले पर सुनवाई की जरूरत है। यह नागरिकों की स्वतंत्रता और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मसला है। इसकी सुनवाई जल्दी होनी चाहिए। सिब्बल ने प्रधान न्यायाधीश के सामने बताया कि सरकार ने पेगासस स्पाइवेयर का इस्तेमाल कर विरोधी दलों के नेताओं, पत्रकारों और जजों के फोन टैप किए हैं।

ऐतिहासिक आमागढ़ किले पर भाजपा सांसद ने जबरन फहराया झंडा, गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान के जयपुर में भाजपा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मीणा पर आरोप है कि उन्होंने प्रशासन के आदेश का उल्लंघन करते हुए आमागढ़ किले पर झंडा फहराया है। जानकारी के अनुसार वह आमागढ़ किले में पूजा करना चाहते थे लेकिन पुलिस ने पहले से ही वहां उनके जाने पर रोक लगा दी थी। जानकारी के अनुसार मामला तब तूल पकड़ लिया जब कांग्रेस के विधायक रामकेश मीणा ने पहले कथित तौर पर आमागढ़ किले पर भगवा झंडा को फाड़ दिया था। इसके बाद फिर भाजपा सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने मीणा समाज का झंडा आमागढ़ किले पर फहरा दिया। हालांकि पुलिस ने उन्हें रोकने की हर संभव कोशिश की लेकिन असफल रही। इसके बाद पुलिस को उन्हें गिरफ्तार करना पड़ा। वहीं सांसद मीणा की गिरफ्तारी पर राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता वसुंधरा राजे ने नाराजगी जताई है। वसुंधरा राजे ने इस मामले पर ट्वीट करते हुए लिखा कि आमागढ़ किले के मामले में धर्म के नाम पर राजनीति कर रही कोंग्रेस को करारा जवाब देने वाले डॉ. किरोड़ी लाल मीणा जी की गिरफ़्तारी निंदनीय है। डॉ.मीणा को तुरंत रिहा किया जाए। दरअसल यह मामला मीणाओं के दो गुटों के बीच चल रहे विवाद से जुड़ा है जिसमें एक गुट अपने आप को हिंदू ना होने की बात कह रहा है। वहीं दूसरा गुट हिंदुत्व की बात करता है। इसके कारण दोनों गुटों में मतभेद चल रहे हैं। इधर भाजपा सांसद किरोड़ी लाल मीणा बार- बार मीणा समाज को हिंदूत्व की दुहाई दे रहे है। वहीं दूसरा वर्ग इस

मामले में उनके खिलाफ दिखाई दे रहा है। इन सब के बीच मामले ने उस समय और तूल पकड़ लिया जब कांग्रेस विधायक रामकेश मीणा की ओर से आमागढ़ किले में कथित तौर पर भगवा झंडा फाड़ने की बात सामने आई थी। जिसके बाद भाजपा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा आक्रोश में आकर अपने कुछ समर्थकों के साथ किले पर झंडा फहरा दिया। वहीं मामला बिगड़ता देख पुलिस ने उन्हें फौरन गिरफ्तार कर लिया।

सितंबर से देश में होने लगेगा स्पूतनिक–वी का उत्पादन

नई दिल्ली। रूसी प्रत्यक्ष निवेश कोष (आरडीआईएफ) ने रविवार को बताया कि रूस की स्पूतनिक वी वैक्सीन का भारत में सितंबर से पूरी तरह से उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। उसको उम्मीद है कि सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया समेत पांच कंपनियों के साथ स्पूतनिक वी वैक्सीन का उत्पादन होने से भारत टीके का प्रमुख उत्पादन केंद्र बन जाएगा। इसके साथ ही आरडीआईएफ ने स्पष्ट किया कोरोना वैक्सीन स्पूतनिक वी के दूसरे बैच के उत्पादन में देरी नहीं हो रही है। आरडीआईएफ ने कहा कि भारत में उसके भागीदारों ने स्पूतनिक वी टीकों के दूसरे बैचों का उत्पादन किया था जो वर्तमान में रूस में सत्यापन के दौर से गुजर रहे थे। वहीं भारत में भागीदारों को प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण भी प्रक्रिया में है और रूसी और भारतीय वैक्सीन उत्पादन विशेषज्ञों के बीच एक सक्रिय आदान-प्रदान है। इसके साथ ही स्पूतनिक वी और स्पूतनिक लाइट की अगस्त से भारत में आपूर्ति में तेजी लाने की योजना है।

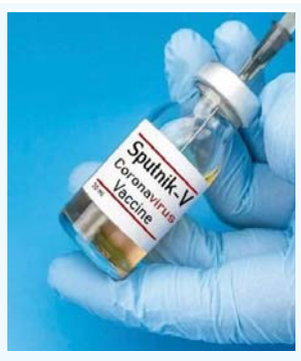

सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया समेत पांच कंपनियों के साथ स्पूतनिक वी वैक्सीन का उत्पादन होने से भारत टीके का प्रमुख उत्पादन केंद्र बन जाएगा। इसके साथ ही आरडीआईएफ ने स्पष्ट किया कोरोना वैक्सीन स्पूतनिक वी के दूसरे बैच के उत्पादन में देरी नहीं हो रही है।

सुप्रीम कोर्ट : केंद्र ने कहा– धारा–66ए के तहत दर्ज मामले को बंद करना राज्य का काम

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा-66 ए प्रावधान को रद्द करने के बाद इसके तहत मामले दर्ज को बंद करना राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों का प्राथमिक कर्तव्य है।

केंद्र ने शीर्ष अदालत में हलफनामा दर्ज कर कहा है कि हालांकि 21 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को पत्र लिखकर शीर्ष अदालत द्वारा 2015 में रद्द किए गए इस कानून के फैसले के अनुपालन की सूचना दी है।

राज्य सरकारों के तहत कानून का पालन करने वाली एजेंसियों को सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि आईटी एक्ट की धारा-66ए के तहत कोई नया मामला दर्ज न हो। हलफनामे में कहा गया है कि पुलिस और प्रशासनिक व्यवस्था भारत के संविधान के अनुसार राज्य के विषय हैं और अपराधों का पता लगाकर इसकी रोकथाम, जांच व अभियोजन और पुलिस कर्मियों की क्षमता निर्माण मुख्य रूप से राज्यों की जिम्मेदारी है।

केंद्र सरकार ने यह हलफनामा गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) पीयूसीएल की उस याचिका पर दिया है, जिसमें यह कहा गया है कि धारा-66ए को निरस्त किए जाने के बावजूद इसके तहत मामले दर्ज किए जा रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने पांच जुलाई को कहा था कि यह चौंकाने वाला, परेशान करने वाला, भयानक और आश्चर्यजनक स्थिति है कि सूचना एवं प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा-66 ए का इस्तेमाल अब भी नागरिकों के आपत्तिजनक ऑनलाइन पोस्ट के लिए उनके खिलाफ किया जा रहा है जबकि वर्ष 2015 में श्रेया सिंघल मामले में धारा-66ए को निरस्त कर दिया गया था।

निरस्त किए जाने के वक्त इस कानून के तहत 11 राज्यों में 229 मामले लंबित थे। लेकिन इसके बाद भी इन राज्यों में इस प्रावधान के तहत 1307 नए मुकदमे दर्ज किए गए।

केंद्र ने शीर्ष अदालत में हलफनामा दर्ज कर कहा है कि हालांकि 21 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को पत्र लिखकर शीर्ष अदालत द्वारा 2015 में रद्द किए गए इस कानून के फैसले के अनुपालन की सूचना दी है।

आईएमडी ने बताया

अगले चार दिनों में उत्तर, मध्य भारत में होगी भारी बारिश

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अपने मौसम पूर्वानुमान में बताया कि उत्तर और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में अगले चार दिनों में भारी बारिश हो सकती है। आईएमडी ने बयान जारी कर बताया, 31 जुलाई से एक अगस्त के बीच पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और पूर्वी उत्तर प्रदेश में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। आईएमडी के अनुसार, 31 जुलाई से चार अगस्त के बीच पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी मध्य प्रदेश में छिटपुट बारिश के साथ-साथ बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। इन राज्यों में 31 जुलाई से तीन अगस्त के दौरान बरिश अपने चरम पर होगी। वहीं 31 जुलाई से दो अगस्त के बीच पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी मध्य प्रदेश में भारी बारिश की संभावना है।

राजस्थान और मध्य प्रदेश में रेड अलर्ट

मौसम विभाग ने राजस्थान और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं एक से दो अगस्त के बीच पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश के साथ बड़े क्षेत्रफल में लगातार वर्षा होने की संभावना जताई है। विभाग के अनुसार, एक अगस्त को पंजाब, दो अगस्त कोहिमाचल प्रदेश और चार अगस्त को उत्तराखंड और हरियाणा में भारी बारिश की संभावना है।

जनसंख्या स्तर पर दिखता है कोरोना का जीनोम म्यूटेशन, वैरिएंट के प्रसार–संक्रमण पर उपयोगी शोध

नई दिल्ली। कोरोना वायरस को लेकर देश के वैज्ञानिक दिन-रात शोध में जुटे हुए हैं। हाल ही में हुए एक अनुसंधान में कहा गया है कि किसी संक्रमित व्यक्ति में सार्स-कोव-2 वायरस के जीनोम में होने वाला म्युटेशन जनसंख्या स्तर पर विविध स्वरूपों में दिखाई देता है। विज्ञानियों का कहना है कि यह अनुसंधान कोरोना वायरस के स्वरूपों के प्रसार और संक्रमण प्रभाव को लेकर पूर्वानुमान व्यक्त करने में बहुत उपयोगी साबित होगा। अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि व्यक्तियों और आबादी के बीच वायरस में होने वाले उत्परिवर्तनों पर नजर रखने वालों को उन विषाणु स्थलों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है जो कोविड-19 के लिए जिम्मेदार सार्स-कोव-2 के अस्तित्व के लिए अनुकूल या प्रतिकूल हैं। इस अनुसंधान में दिल्ली स्थित राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआइआर) से संबद्ध जिनोमिकी और समवेत जीव विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर स्थित जीवन विज्ञान संस्थान, गाजियाबाद स्थित वैज्ञानिक और अभिनव अनुसंधान अकादमी, हैदराबाद स्थित सीएसआईआर-कोशिकीय और आण्विक जीवविज्ञान केंद्र (सीएसआइआर-सीसीएमबी) और जोधपुर स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के अनुसंधानकर्ता शामिल थे।

● आयुष मंत्रालय के तहत आने वाले अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान ब्रिटेन के लंदन स्कूल आफ हाईजीन एवं ट्रापिकल मेडिसिन के साथ मिलकर कोरोना के मरीजों के जल्द स्वस्थ होने में अश्वगंधा के इस्तेमाल की भूमिका का पता लगाने के लिए क्लीनिकल परीक्षण करेगा।

कोरोना से उबरने में अश्वगंधा पर भारत और ब्रिटेन करेंगे परीक्षण

आयुष मंत्रालय के तहत आने वाले अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान ब्रिटेन के लंदन स्कूल आफ हाईजीन एवं ट्रापिकल मेडिसिन के साथ मिलकर कोरोना के मरीजों के जल्द स्वस्थ होने में अश्वगंधा के इस्तेमाल की भूमिका का पता लगाने के लिए क्लीनिकल परीक्षण करेगा। आयुष मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ब्रिटेन के तीन शहरों-लीसेस्टर, बरमिंघम और लंदन में दो हजार लोगों पर अश्वगंधा का परीक्षण किया जाएगा। इसको लेकर दोनों संस्थानों के बीच समझौते हो गया है।

अश्वगंधा को सर्दी के भारतीय चेरी के रूप में जाना जाता है। यह एक पारंपरिक भारतीय जड़ी बूटी है जो ऊर्जा बढ़ाती है, तनाव को कम करती है और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करती है। ब्रिटेन में भी यह आसानी से उपलब्ध है और इसे सुरक्षित भी माना जाता है।

सुप्रीम कोर्ट : जल्द ही वकीलों के लिए तय होगी बहस की समयसीमा

अमेरिका में मिलते हैं 25 मिनट

नई दिल्ली। लंबित मामलों के बोझ तले दबा सुप्रीम कोर्ट अब 20-20 के मूड में आ गया है। शीर्ष अदालत के कई जजों ने अब वकीलों को लिखित दस्तावेज संक्षिप्त में देने और बहस से लिए समय निर्धारित करने की कवायद शुरू कर दी है। जल्द ही इसके लिए नियम बनाया जा सकता है। हाल के दिनों ने कई न्यायाधीशों ने वकीलों को दलीलों का संक्षिप्त सार, बहस से पूर्व देने के लिए कहना शुरू कर दिया है। पिछले दिनों जस्टिस संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि भारत के सुप्रीम कोर्ट में ही ऐसा होता है जहां वकीलों घंटों और दिनों तक बहस करते हैं और एक के बाद एक सैकड़ों पन्नों का दस्तावेज पेश करते रहते हैं। पीठ ने कहा कि इससे न्यायालय का बहुमूल्य समय नष्ट हो जाता है। जस्टिस कौल ने कहा कि अब समय आ गया है जब वकीलों को अपनी मानसिकता बदलनी होगी। पीठ ने कहा कि मोटे दस्तावेज और घटों तक बहस चलने से उन अपीलों के साथ हम कैसे न्याय कर पाएंगे जो 10 वर्षों से अधिक समय से लंबित हैं। पीठ ने यह कहते हुए गुजरात के वकील यतीन ओझा के मामले की पैरवी कर रहे वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी और अरविंद दातार को अपनी बहस पूरी करने के लिए 30-30 मिनट का समय दिया। ओझा की वरिष्ठ वकील की पदवी छीन ली गई है। मामले

में दोनों पीठ कीइस बात से सहमत भी दिखे। सुप्रीम कोर्ट के दूसरे जज भी वकीलों को संक्षिप्त बहस और चार-पांच पन्नों का लिखित सार प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। जस्टिस विनीत शरण और जस्टिस दिनेश माहेश्वरी की पीठ भी वकीलों को न केवल बहस को बल्कि लिखित दस्तावेजों को संक्षिप्त पेश करने का आग्रह कर रहे हैं।

संक्षिप्त में कहें तो अक्षरों का आकार छोटा कर देते हैं

पिछले दिनों एक मामले में जस्टिस दिनेश माहेश्वरी ने कहा कि जब हम वकीलों को संक्षेप में लिखित सार रखने के लिए कहते हैं तो अक्षरों का आकार छोटा हो जाता है। कभी-कभी यह दवा के पत्तों पर लिखे अक्षर जैसा हो जाता है, जिन्हें पढ़ना संभव नहीं। जस्टिस माहेश्वरी फोंट साइज छोटा होने के लेकर आपत्ति जता चुके हैं।

सुप्रीम कोर्ट खुद में ला रहा बदलाव– ऐसा नहीं है कि वकीलों को ही समय की दुहाई दी जा रही है। सुप्रीम कोर्ट खुद भी अपने फैसलों को स्पष्ट और छोटा लिखने का प्रयास कर रहा जा। सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्य एक पीठ ने अपने फैसले में यह कहा है कि जजों को प्रयास करना चाहिए कि फैसले स्पष्ट और छोटे हो जिससे कि आम आदमी उसे समझ सके।

69,212 मुकदमे लंबित हैं सुप्रीम कोर्ट में– सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट के मुताबिक, दो जुलाई 2021 तक सुप्रीम कोर्ट में 69,212 मुकदमे लंबित है। इनमें से 442 मामले संविधान पीठ के समक्ष लंबित हैं।

कई बार उठ चुकी है सुप्रीम कोर्ट को सांविधानिक कोर्ट ही रहने देने की मांग

कई बार अदालत के भीतर और बाहर मांग उठती रही है कि सुप्रीम कोर्ट को सांविधानिक कोर्ट ही रहने दिया जाए। वहां सिर्फ सांविधानिक मसलों पर भी सुनवाई की जाए, जबकि अन्य मामलों की सुनवाई सर्किट ब्रांच में की जाए। हालांकि, अब तक इस संबंध में अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में वकीलों को बहस के लिए मिलते हैं 25 मिनट

दुनिया के कई देशों के सुप्रीम कोर्ट में वकीलों की बहस की समयसीमा तय है। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट में वकीलों की बहस के लिए 25 मिनट का वक्त तय है। इसी तय समय सीमा के अंदर उन्हें अपनी सारी बातें रखनी होती है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

मूल्यांकन से परिणाम

कोरोना महामारी से प्रभावित समय में आखिरकार केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा 12वीं के परिणाम घोषित कर दिए। 12वीं पास करने वाले विद्यार्थियों के लिए यह भावनाओं का मिला-जुला अवसर होगा। ज्यादातर विद्यार्थी न तो स्कूल गए थे और न प्रत्यक्ष पढ़ाई ही की थी, इसके बावजूद वैकल्पिक मूल्यांकन पद्धति से जो परिणाम आए हैं, उनकी प्रशंसा करनी चाहिए। इस वर्ष 99.37 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। 99.67 प्रतिशत लड़कियां और 99.13 प्रतिशत लड़के सफल हुए हैं। इस बार भी लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया है। हालांकि उनमें अंतर ज्यादा नहीं है, लेकिन यह एक संकेत है कि जिन लड़कियों को मौका मिल रहा है, वे लड़कों से बेहतर पढ़ाई कर रही हैं। पढ़ाई के प्रति लड़कियों का लगाव कोई तुक्का नहीं है। यह अपने आप में इतिहास है कि किन हालात में परिणाम आए हैं। देश भर में कोरोना संक्रमण में वृद्धि के चलते केंद्र सरकार द्वारा 12वीं की परीक्षा रद्द कर दी गई थी। बोर्ड ने बाद में 12वीं के मूल्यांकन का मानदंड तैयार करने के लिए 13 सदस्यीय समिति का गठन किया था। देश की सर्वोच्च अदालत को भी समाधान तलाशने के लिए आगे आना पड़ा था। देश में कई लोग प्रत्यक्ष परीक्षा कराने के पक्ष में थे, लेकिन अंततः परीक्षा न कराने पर सहमति बनी और मूल्यांकन का पैमाना तय हुआ। अब यह हमेशा के लिए इतिहास में दर्ज हो गया है कि कोरोना महामारी के कारण सीबीएसई की 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं रद्द कर दी गई थीं और छात्रों का परिणाम मूल्यांकन फॉर्मूला से घोषित किया गया था। वैसे संकट के समय भी परिणाम देखकर उत्साह बढ़ना लाजिमी है। 5.37 प्रतिशत छात्रों को 95 फीसदी से ज्यादा और 11.51 फीसदी छात्रों के 90 से 95 फीसदी के बीच अंक आए हैं। मतलब अपने देश में सौ में से 17 विद्यार्थी 90 प्रतिशत से ज्यादा अंक हासिल कर रहे हैं। संभावना है कि यदि प्रत्यक्ष परीक्षा हुई होती, तो 20 प्रतिशत से ज्यादा विद्यार्थियों को 90 प्रतिशत से ज्यादा अंक हासिल होते। खैर, इन परिणाम के बावजूद प्राइवेट व पत्राचार वाले छात्रों को तो 16 अगस्त से 15 सितंबर के बीच परीक्षा देनी पड़ेगी। कोरोना संकट के समय उन्हें ज्यादा नुकसान हुआ है। उन्हें किसी मूल्यांकन प्रक्रिया द्वारा पास करना आसान नहीं है। भविष्य के लिए यह एक संकेत है कि संकट के समय में स्वतंत्र रूप से या पत्राचार के जरिए पढ़ाई करने वालों को नुकसान होगा। इन परिणामों ने हमें बहुत सिखाया है। क्लास टेस्ट से लेकर सामान्य कक्षा परीक्षाओं में भी पूरे मनोयोग व मेहनत से प्रदर्शन करना चाहिए। भविष्य में जब भी ऐसे संकट के मौके आएंगे, तब किसी भी छात्र का मूल्यांकन उसके पिछले प्रदर्शन के आधार पर ही किया जाएगा। जो छात्र उत्तीर्ण हुए हैं, उन्हें आगे भी चुनौतियों का सामना करने के लिए दूसरे छात्रों की तुलना में ज्यादा मुस्तैद रहना पड़ेगा। इस बैच के छात्रों की किसी से तुलना तो नहीं होनी चाहिए, लेकिन होगी जरूर, अतः इस बैच के छात्रों को अतिरिक्त रूप से मेहनत करते हुए योग्यता के पैमाने पर खरा उतरना पड़ेगा। इन छात्रों के संरक्षण और शैक्षणिक विकास के लिए उच्च शिक्षण संस्थानों को भी सजग रहना होगा। मूल्यांकन के आधार पर परिणाम देने से ज्यादा महत्वपूर्ण है कि ऐसे छात्रों के लिए आगे की शिक्षा का मार्ग प्रशस्त किया जाए।

'आज के ट्वीट

इतिहास

टोक्यो ओलंपिक में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने इतिहास रचते हुए चार दशक बाद सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। इस बहुप्रतीक्षित व अविस्मरणीय उपलब्धि के लिए पूरी टीम को बधाई एवं भविष्य की स्वर्णिम सफलता हेतु मंगलकामनाएं। - योगी आदित्यनाथ

हिमालय की विरासत पर प्रकृति का कहर

– डॉ. ललित कुमार

उत्तर भारत के हिमालय पर्वतों पर प्राकृतिक आपदाओं का कहर लगातार जारी है। बारिश के इस मौसम में प्राकृतिक आपदाओं का इतने बड़े पैमाने पर आना मौसम वैज्ञानिकों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। लगातार एक के बाद के एक प्राकृतिक आपदाओं में भूस्खलन, बादल फटने, मूसलाधार बारिश और बाढ़ के खतरों ने हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड की जनता के लिए परेशानी खड़ी कर दी है। लेकिन इन्हीं आपदाओं का रौद्र रूप मैदानी इलाकों में भारी तबाही लेकर आता है, जिस कारण ज्यादा से ज्यादा जानमाल का नुकसान होता है। हाल ही में हिमाचल के किन्नौर जिले में भूस्खलन के कारण चट्टान खिसकने से नीचे आते बड़े-बड़े पत्थरों की तेज रफ्तार ने जिस तरह से लोहे के ब्रिज को दो भागों में तोड़ा, उसे देखकर हर किसी के रोंगटे खड़े हो गए। हिमालय के ऊपरी हिस्से में प्राकृतिक आपदा की बढ़ती हलचलें कहीं न कहीं सोचने को मजबूर कर देने वाली है कि आखिर एकाएक ऐसी घटनाओं का होना हमारी पृथ्वी के लिए कितना सही है और पर्यावरण को लेकर हम कितने सजग है? ये कुछ ऐसे सवाल है, जिन्हें आम आदमी से लेकर खास व्यक्ति को सोचने की जरूरत है। पूरी दुनिया प्राकृतिक आपदा से होने वाले खतरों को नजरअंदाज करके विकास के नाम पर जो कर रही है, वह किस हद तक सही है और कितना गलत यह सोचने वाली बात है। लेकिन क्या ये सब प्रकृति के अनुरूप है? इसलिए हमें पर्यावरण संरक्षण के बारे में गंभीरता से सोचने की ज़रूरत है। लगभग पिछले दो सदी के प्राकृतिक आपदा के ऐतिहासिक पन्नों को उलटने की कोशिश करें, तो पाएंगे कि यूरोप और एशिया सहित तमाम देश औद्योगिकरण के नाम पर विकसित और विकासशील देशों की सूची में शामिल होने की होड़ लगाए हुए है। वह प्रकृति का दोहन करने के साथ साथ जंगलों को काटकर ग्रामीण क्षेत्र को शहरीकरण के भट्टी की आग में झोंकने का काम कर रहें हैं। साथ ही बड़े पहाड़ों को डायनामाइट से उड़ाकर उनके बीचोंबीच रेल मार्ग और सुरंगों के जरिए हाईवे बनाये जा रहे हैं। इतना जरूर है कि पर्यावरण और विकास एक सिक्के के दो पहलू हैं, लेकिन पर्यावरण के पैमानों को नजरअंदाज करके विकास के नाम पर हमारी सरकारें पहाड़ों पर औद्योगीकरण को बढ़ावा देने का काम कर रही है, जोकि एक अच्छा संकेत नहीं है। हिमालय की प्राकृतिक सौंदर्यता पृथ्वी का दिल होती है। जहां किसी भी तरह की कोई हलचल नहीं होनी चाहिए, लेकिन हम आंखों पर पट्टी बांधे हिमालय के सीने पर वार करके प्राकृतिक आपदा को बुलावा दे रहे हैं। इसलिए हम आज ऐसी आपदाओं का सामना कर रहे हैं। पिछले महीने कनाडा में 'हीट वेव' ने 10 हज़ार साल का रिकॉर्ड तोड़ा, जहां बेहताशा गर्मी के कारण लाखों लोग घर से बेघर हो गए। एक ओर चीन में भारी तबाही मचाने वाली बाढ़ आ रही है, तो कहीं यूरोप में बाढ़ का विकराल रूप देखने को मिल रहा है। साथ ही ऊपर से कोरोना का कहर और प्रकृतिक आपदा का बढ़ता प्रभाव आम जनमानस को खतरे में डाल रहा है। कंक्रीट के महलों में बैठे सत्ताधारी लोग और उद्योगपतियों को ये बातें समझ में क्यों नहीं आ रही है कि इन सबके लिए वे खुद जिम्मेवार है। इस तरह की घटनाएं पिछले 50 से 100 सालों में पहले कभी नहीं देखी गयी। अमेरिका के कई हिस्सों में सूखा पड़ रहा है और जंगलों में खुद-ब-खुद आग लगने की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे पर्यावरण के साथ- साथ ओजोन परत को भी भारी नुकसान पहुंच रहा है। पिछले एक दशक में भारत में भी ऐसी प्राकृतिक आपदाओं का लगातार बढ़ता प्रकोप सोचनीय विषय हो सकता है, जहां भारत के उत्तरी भाग हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर और उत्तराखंड से भूस्खलन और बाढ़ की खबरें लगातार आती रहती है।

वर्ष 2013 में उत्तराखंड की प्राकृतिक आपदा का कहर अभी भी लोगों के जेहन में जिंदा है, जिन्होंने प्राकृतिक आपदा को मीडिया के जरिए देखा होगा, वे आज भी बेचैन हो उठते होंगे। उत्तराखंड के चमोली, पिथौरागढ़ और जोशीमठ जिलों सहित अन्य पहाड़ी क्षेत्रों से बादल फटने की घटनाएं सामने आती है, जो हमारे लिए एक चेतावनी भर है, ताकि हम जल्दी से संभल जाए और पहाड़ी जंगलों का दोहन न करें। अगर हम आज भी नहीं संभले, तो हमारी आने वाली पीढ़ी का भविष्य जरूर संकट में पड़ेगा। जिस तरह से जलवायु परिवर्तन में एकाएक बदलाव हो रहे हैं, उससे साफ है कि आने वाला समय प्राकृतिक आपदाओं से भरा होगा। इसलिए हमारे पास एक ही पृथ्वी है, जिसे हमें रहने योग्य बनाना है। सत्ता में बैठी सरकारें हिमालय की विरासत पर जिस तरह से प्रहार कर रही हैं। आने वाले समय में हमारी पीढ़ी को ही उसका भुगतान करना पड़ेगा। हमारी सरकारें चाहे वह केंद्र या राज्य सरकार ही क्यों न हो। वे अभी भी इसी भ्रम में जी रही है कि जीडीपी ग्रोथ के जरिए ही देश का विकास तय होता है। विदेशी निवेश के कारण जितने बड़े-बड़े प्रोजेक्ट हमारे देश में आएंगे। हम उतना ही विकास करेंगे और सरकार विकास के नाम पर जंगली वनों और खेती की जमीन का अधिग्रहण करके विकास की दौड़ में आगे निकल जाएगी। यह सरकार की एक बड़ी भूल होगी। सरकार उपजाऊ भूमि के बीचोंबीच हाईवे मार्ग निकालकर सीधे उद्योगपतियों को फायदा पहुंचा रही है, जिन लाखों पेड़ों को काटकर खेतों के बीच से हाईवे बनाए जा रहे हैं क्या कभी सरकार ने सोचा है कि जिन पेड़ों को काटा जाता है, उनसे कितना ऑक्सीजन का उत्सर्जन होता है। अगर सरकार उसी तरह के पेड़ों को हाईवे के दोनों तरफ लगवा दें ताकि मिट्टी का कटान भी कम हो और सड़क धंसने का खतरा भी कम हो जाए। जिससे चलते राहगीरों को शुद्ध हवा और छांव भी मिले, लेकिन सरकार ऐसा नहीं करती। हाईवे के मध्य भाग में पेड़ पौधों के नाम पर जो फुलवारी लगाई जाती है, उससे लोग खुश तो होते हैं। लेकिन इन फुलवारी से ऑक्सीजन का उत्सर्जन न के बराबर होता है। देश में जितने भी बड़े हाईवे मार्ग अभी तक बने हैं या बनाये जा रहे है। कहीं भी उसी तरह के पेड़ पौधों का वृक्षारोपण आज तक नहीं किया गया ताकि पेड़ों की अच्छी छांव और उत्सर्जित ऑक्सीजन का लाभ आसपास के ग्रामीणों और राहगीरों को मिल सके। मैंने अब तक देशभर के जितने भी नेशनल हाईवे पर यात्राएं की है, वहां कहीं भी बड़े पेड़ पौधे मुझे नहीं दिखे। सरकार को इस ओर ध्यान देने की भी बहुत जरूरत है तभी पर्यावरण संरक्षण को बचाया जा सकता है। साथ ही हमें वन्यजीवों और वनस्पतियों के संरक्षण की दिशा में भी कदम उठाने की जरूरत है। चाहे वह कोई भी प्रजाति, प्राणी या वनस्पति ही क्यों ना हो? इसी साल फरवरी 2021 के पहले सप्ताह में उत्तराखंड के चमोली जिले में ग्लेशियर टूटने के कारण ऋषि गंगा पावर प्रोजेक्ट पर काम करने वाले कई लोग इस हादसे की चपेट में आए। प्राकृतिक व मानव निर्मित आपदाओं को लेकर यह इलाका काफी संवेदनशील माना जाता है। इसके बाद भी यहां बड़े स्तर पर पावर प्रोजेक्ट निर्माण कार्य बदस्तूर जारी है, जो लगातार पहाड़ों को कमजोर कर रहे है।भूगर्भशास्त्री और फिजिकल रिसर्च लैब अहमदाबाद के रिटायर्ड वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. नवीन जुयाल का कहना है कि हिमालय सबसे नया पर्वत होने के नाते, यहां जो कुछ भी छोटी बड़ी हलचलें होती हैं, उसका परिणाम हमें तुरंत देखने को मिलता है। यहां की नदियों पर बनने वाले पावर प्रोजेक्ट और सड़क निर्माण कार्य जिस तेजी से किए जा रहे है, उससे पहाड़ों की स्थितियां और भी नाजुक होती जा रही है। जिसके कारण प्राकृतिक हलचलें एक बड़ी तबाही का न्योता देती है। वर्ष 2020 में काठमांडू स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट **(ICIMOD)** ने पर्वतीय क्षेत्र की करीब 800 किलोमीटर लंबी सीमा पर एक रिपोर्ट तैयार की। जिसमें बताया गया कि भारत-पाकिस्तान-अफगानिस्तान और तजाकिस्तान तक फैली हिमालय क्षेत्र को दुनिया भर में बढ़ रहे तापमान से एक बड़ा खतरा होने वाला है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया की 1970 से लेकर अभी तक हिमालय के 15 फ़ीसदी ग्लेशियर पिघल चुके हैं। जिस तरह से जलवायु परिवर्तन के खतरे लगातार बढ़ रहे हैं उससे आने वाले कुछ सालों में ग्लेशियर का 70 से 90 फ़ीसदी हिस्सा पिघल चुका होगा। पिघले ग्लेशियर गंगाा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु जैसी 10 प्रमुख नदियों को अपनी चपेट में लेंगे और नदियों के किनारे बसे करोड़ों लोग इससे प्रभावित होंगे। ग्लेशियर टूटने, बादल फटने, भूस्खलन और बाढ़ की घटनाएं इन क्षेत्रों में सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाएंगी। दुनिया भर में पर्यावरण संरक्षण को लेकर जिन स्तरों पर काम किया जा रहा है।

ज्ञान गंगा — पात्रता

श्रीराम शर्मा आचार्य/ पात्रता के अभाव में सांसारिक जीवन में किसी को शायद ही कुछ विशेष उपलब्ध हो पाता है। अपना सगा होते हुए भी एक पिता मूर्ख गैर जिम्मेदार पुत्र को अपनी विपुल सम्पत्ति नहीं सौंपता। कोई भी व्यक्ति निर्धारित कसौटियों पर खरा उतरकर ही विशिष्ट स्तर की सफलता अर्जित कर सकता है। मात्र मांगते रहने से कुछ नहीं मिलता, हर उपलब्धि के लिए उसका मूल्य चुकाना पड़ता है। बाजार में विभिन्न तरह की वस्तुएं दुकानों में सजी होती हैं, पर उन्हें कोई मुफ्त में कहां प्राप्त कर पाता है? अनुनय विनय करने वाले तो भीख जैसी नगण्य उपलब्धि ही करतलगत कर पाते हैं। पात्रता के आधार पर ही शिक्षा, नौकरी, व्यवसाय आदि क्षेत्रों में भी विभिन्न स्तर की भौतिक उपलब्धियां हस्तगत करते सर्वत्र देखा जा सकता है। अध्यात्म क्षेत्र में भी यही सिद्धान्त लागू होता है। भौतिक क्षेत्र की तुलना में अध्यात्म के प्रतिफल कई गुना अधिक महत्वपूर्ण, सामर्थ्यवान और चमत्कारी हैं। किन्हीं-किन्हीं महापुरु षों को देख एवं सुनकर हर व्यक्ति के मुंह में पानी भर आता है तथा उन्हें प्राप्त करने के लिए मन ललचाता है, पर अभीष्ट स्तर का आध्यात्मिक पुरु षार्थ न कर पाने के कारण उस ललक की आपूर्ति नहीं हो पाती। पात्रता के अभाव में अधिकांश को दिव्य आध्यात्मिक विभूतियों से वंचित रह जाना पड़ता है जबकि पात्रता विकसित हो जाने पर बिना मांगे ही वे साधक पर बरसती हैं। उन्हें किसी प्रकार का अनुनय विनय नहीं करना पड़ता है। यह सच है कि अध्यात्म का, साधना का चरम लक्ष्य सिद्धियां-चमत्कारों की प्राप्ति नहीं है, पर जिस प्रकार अध्यवसाय में लगे छात्र को डिग्री की उपलब्धि के साथ-साथ बुद्धि की प्रखरता का अतिरिक्त अनुदान सहज ही मिलता रहता है, उसी तरह आत्मोत्कर्ष की प्रचण्ड साधना में लगे साधकों को उन विभूतियों का भी अतिरिक्त अनुदान मिलता रहता है, जिसे लोक-व्यवहार की भाषा में सिद्धि एवं चमत्कार के रूप में जाना जाता है। पर चमत्कारी होते हुए भी ये प्रकाश की छाया जैसी ही हैं। प्रकाश की ओर चलने पर छाया पीछे-पीछे अनुगमन करती है। अंधकार की दिशा में बढ़ने पर छाया आगे आ जाती है, उसे पकड़ने का प्रयत्न बेकार हो जाता है। इसी प्रकार अर्थात दिव्यता की ओर-श्रेष्ठता की ओर परमात्म पथ की ओर बढ़ने पर छाया अर्थात ऋिद्ध-सिद्धियां साधक के पीछे-पीछे चलने लगती हैं।

सावन का वास्तविक रूप कहीं धुंधला तो नहीं हो रहा...

(लेखक- सोनम लववंशी)

यह सत्य है कि हम आधुनिक होती जीवनशैली और बाहरी चकाचौंध में अपने वास्तविक मूल्यों को दरकिनार कर रहे हैं। लेकिन हम भले ही आधुनिकता का चोला क्यों न ओढ़ ले पर प्रकृति हमें हमारी संस्कृति से जोड़ने का कार्य करती है। जी हां यह सच है कि हम ज़िन्दगी को जिस नजरिये से देखते है जिंदगी हमें वैसी ही नजर आने लगती है। यह हमारी आस्था और मन का विश्वास ही तय करता है कि हमें ज़िन्दगी को किस चश्मे से देखना है। जीवन में आशा-निराशा, सुख-दुःख और जीवन-मरण की प्रक्रिया अपनी गति से चलती रहती है। वहीं निर्वाद सत्य यह भी है कि अगर आज सुख है, तो निश्चय ही कल दुःख भी आएगा, क्योंकि जीवन छणभंगुर है और इससे बचकर कोई नहीं रह पाता है। फ़िर चाहें वह राजा हो या रंक। इस भौतिक संसार मे जो भौतिकता से परे है। वही सिर्फ़ शिव है और शिव ही आदि और अनन्त। भगवान शिव को %देवों का देव महादेव% कहा जाता है। वे ज्ञान, वैराग्य के परम आदर्श है। कहते है ईश्वर सत्य है, सत्य ही शिव है और शिव ही सुन्दर है। इसलिए भगवान शिव का एक रूप सत्यम, शिवम और सुंदरम है।शिव के बिना प्रकृति की कल्पना आधारहीन है और प्रकृति के बिना मनुष्य के जीवन का कोई आधार नही। यूँ तो हमारे देश में हर त्योहार को प्रकृति के साथ ही जोड़कर देखा जाता हैं। वर्षा ऋतु से त्योहार शुरू हो जाते है जिनका पालन सभी धर्म जाति के लोग अपनी श्रद्धा अनुसार करते है। हिन्दू धर्म में हर त्योहार में प्रकृति के प्रेम की झलक दिखती है। हमारा गौरवशाली इतिहास न केवल हमें प्रकृति से प्रेम करना सीखाता है, बल्कि प्रकृति का संरक्षण करना भी जरूरी है। हमें यह भी बताता है। शिव ही प्रकृति है। प्रकृति नहीं तो जीवन नहीं। शिव प्रकृति के प्रेम का प्रतीक हैं। एक ऐसा प्रेम जो स्वार्थ से परे है। शिव जीवन है, तो प्रकृति आत्मा है और इसी आत्मा से परमात्मा के मिलन से ही सुंदर रूप का साक्षी 卐सावन माह卐 है। सावन जिसमें प्रकृति अपने यौवन अवस्था में होती है। सारा संसार भक्तिमय हो जाता हैं। भक्ति का दूसरा रूप ही प्रेम है। शिव और शक्ति के मिलन का ही प्रतीक सावन है। जिस तरह विरह की वेदना में तरसती प्रियतमा पर जब प्रेम रूपी वर्षा होती है तो उसका श्रंगार ही अलग होता है। मानो कस्तूरी मृग अपने प्रेम की खुशबू से प्रकृति को महका रही हो। पेड़ो पर फूलों की बहार आ जाती है। प्रेमिका अपने प्रेमी से मिलन गीत गा रही होती है। सावन के झूले अपने मन के अंदर चल रहे भावों को प्रकट करते है। लताएँ पेड़ो को अपने अंदर समाहित करने को आतुर हो उठती है। भौरों की गुंजन ऐसे प्रतीत होती है मानो कोई प्रेमी अपने प्रेम का संदेश अपनी प्रेमिका के लिए भेज रहा है। वहीं भक्ति, प्रेम के रूप अलग-अलग है। एक भक्त अपनी भक्ति की शक्ति से अपने आराध्या के प्रति अपना प्रेम प्रदर्शित करता है। एक प्रियतमा अपने प्रिय के प्रति अपने प्रेम को दर्शाती है। सावन इसी प्रेम का प्रतीक है। माँ शक्ति ने इसी पवित्र माह में अपनी भक्ति से भगवान को प्राप्त किया था। पौराणिक कथा के अनुसार सावन के महीने में ही समुद्र मंथन किया गया था। समुद्र से प्राप्त रत्नों को देवताओं ने ग्रहण कर लिया। इस मंथन से निकले विष को प्रकृति की रक्षा के लिए भगवान शिव ने धारण किया। भगवान शिव का त्याग अनुपम है। शिव योग और वैराग्य के देवता है। कहते है ब्रह्माजी सृष्टि के निर्माता है। विष्णुजी पालन करता और शिव सृष्टि के संहारक है। शिव से बड़ा कोई योगी नहीं है। शिव ही शक्ति है और शक्ति ही शिव है। भगवान महादेव ने इसीलिए अपना अर्धनारीश्वर रूप धारण किए हुए है। भगवान शिव ने ही यह बताया है कि किस तरह पुरुष के बिना नारी और नारी के बिना पुरुष अधूरा है ठीक उसी तरह जिस तरह प्रकृति के बिना मानव जीवन अधूरा है।

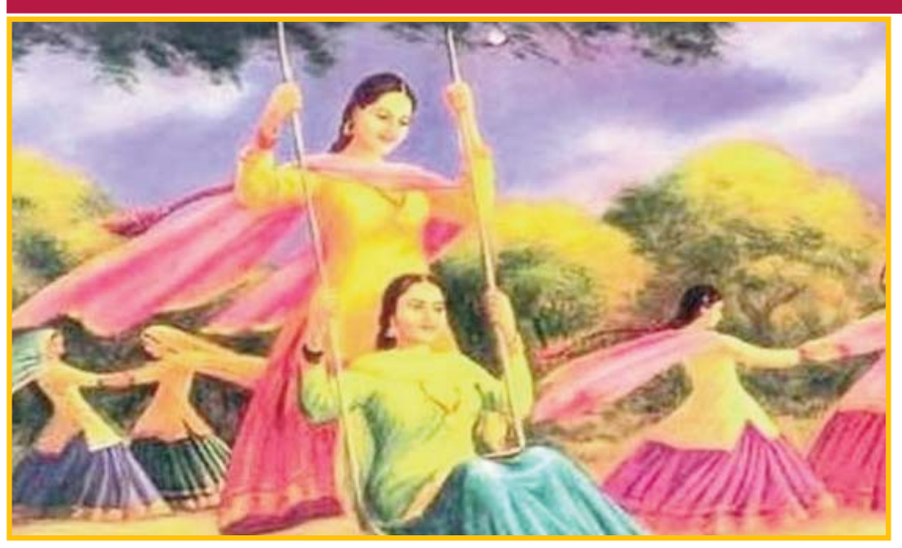

आधुनिकता की चकाचौंध ने भले मानव को अपने संस्कृति अपने संस्कारो से दूर कर दिया हो। सावन के झूले अब दिखाई नही देते हो। घर में आंगन की परंपरा अब नही रही हो। आंगन के पेड़ों की जगह अब गगन को छूती इमारतें रह गई है। आधुनिकता की दौड़ में इंसान ने प्रकृति को नष्ट कर दिया है और प्रकृति के संग जीने की परम्परा थमती सी जा रही है। त्योहारों की रौनक फीकी हो गई है। अब सावन के झूले और झूलों पर गीत गाती महिलाएं सिर्फ यादों और कहानी किस्से में सिमट कर रही गई हो। लेकिन एक समय वह जरूर वापस आएगा। जब यह सब फ़िर से अपने वास्तविक स्वरूप में लौटकर आएंगे। ऐसा इसलिए भी क्योंकि कोरोना ने फ़िर से हाथ जोड़ना सीखा दिया। गले मिलने और हाथ मिलाने की परंपरा पश्चिम से आई और फिर दूर भी जा रही। ऐसे में जो कुछ वैज्ञानिकता के नज़दीक है। वह सनातन है और सनातन भारतीय संस्कृति में झूला झूलने की परम्परा वैदिक काल से ही चली आ रही थी। भगवान श्री कृष्ण राधा संग झूला झूलते और गोपियों के संग रास रचाते थे। झूला झूलना प्रकृति के प्रेम का प्रतीक होता है। आज पेड़ो पर वो झूले अब दिखाई नही देते। महिलाओं की चूड़ी की खनक उनके गीतों की महक सुनाई नही देती है, और पेड़ की डाल पर पड़े झूले अब कहाँ दिखते हैं? पहले सावन आता था और बेटियां अपने ससुराल से मायके आ जाती थी। अब वो प्रथा नही रही। सावन ने अपना रूप बदल लिया है। अब वास्तविक सावन बीती यादों का अहसास बनकर रह गया है, हां लेकिन वह उम्मीद अभी नहीं डूबी है कि फ़िर से सावन नहीं आएगा। एक समय ऐसा जरूर होगा कि जब सावन आएगा भी और अपने अतीत की यादों के साथ और उसी रंग-रूप में आएगा। जैसा कुछ वर्षों पहले देखने को मिलता था। प्रकृति अपना रूप स्वयं सँवारती है और वह एक न एक दिन सावन को उसी रूप में लाने के लिए मनुष्य को मजबूर अवश्य कर करेगी।

आज का राशिफल

मेष – आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ – पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रुपये पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से तनाव मिलेगा।

मिथुन – जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

कर्क – आर्थिक योजना फलीभूत होगी। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। अनावश्यक व्यय से मन अशान्त रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह – राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। व्यवसायिक व पारिवारिक योजना सफल रहेगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

कन्या – संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ भी रहेगी।

तुला – जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक – व्यावसायिक योजना सफल होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु – पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। विरोधियों का पराभव होगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मकर – दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ – बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मीन – गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। खान-पान में संयम रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईसीआईसीआई बैंक ने लेनदेन शुल्क में किया संशोधन

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई बैंक ने 1 अगस्त से एटीएम, चेक बुक और अन्य वित्तीय लेनदेन के लिए कैश विड्रॉल में लिए जाने वाले शुल्क में संशोधन किया है। संशोधित शुल्क वेतन खातों समेत घरेलू बचत खाताधारकों के लिए लागू होंगे। आईसीआईसीआई बैंक की वेबसाइट के अनुसार एक महीने में 6 मेट्रो स्थानों मुंबई, नई दिल्ली, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद में पहले तीन एटीएम लेनदेन प्राप्त होंगे। अन्य सभी स्थानों पर, पहले पांच लेनदेन निःशुल्क होंगे। इसके बाद बैंक 20 रुपए प्रति वित्तीय लेनदेन और 8.50 रुपए प्रति गैर-वित्तीय लेनदेन शुल्क वसूलेगा। ये शुल्क सिल्वर, गोल्ड, मैग्नम, टाइटेनियम और वेल्थ कार्डधारकों के लिए लागू होंगे। निजी ऋणदाता को प्रति माह कुल 4 मुफ्त नकद लेनदेन की अनुमति दी गई है। बैंक की वेबसाइट के अनुसार निशुल्क सीमा से अधिक शुल्क 150 प्रति लेनदेन होगा। होम ब्रांच और दूसरी शाखा में नकद लेनदेन की सीमा 1 अगस्त से आईसीआईसीआई बैंक के ग्राहकों के लिए होम ब्रांच नकद सीमा 1 लाख प्रति माह होगी। वहीं 1 लाख से ऊपर दूसरी शाखा से निकालने पर 5 रुपए प्रति 1,000, न्यूनतम 150 रुपए चुकाने होंगे। दूसरी शाखा में प्रतिदिन 25,000 रुपए तक के नकद लेनदेन के लिए कोई शुल्क नहीं लगेगा। वहीं 25,000 से ऊपर पर 5 रुपए प्रति 1,000 लगेगा। न्यूनतम शुल्क 150 रुपए होगा। तीसरे पक्ष के लेनदेन के लिए सीमा 25,000 रुपए प्रति दिन निर्धारित की गई है। इतने लेन-देन की सीमा तक 150 रुपए प्रति लेन-देन शुल्क चुकाना होगा। निर्धारित सीमा से अधिक, नकद लेनदेन की अनुमति नहीं है। एक साल में 25 पन्नों वाले चेकबुक के लिए शुल्क शून्य होगा।जबकि निशुल्क सीमा से ऊपर, बैंक 10 पत्तों की प्रत्येक अतिरिक्त चेक बुक के लिए 20 रुपए शुल्क वसूलेगा।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 479 परियोजनाओं की लागत 4.4 लाख करोड़ बढ़ी

नई दिल्ली । देरी और अन्य कारणों की वजह से बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ या इससे अधिक के खर्च वाली 479 परियोजनाओं की लागत में तय अनुमान से 4.4 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की वृद्धि हुई है। एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी मिली है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक लागत वाली बुनियादी ढांचा क्षेत्र की परियोजनाओं की निगरानी करता है। मंत्रालय की जून-2021 की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1,770 परियोजनाओं में से 479 की लागत बढ़ी है, जबकि 541 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। इन 1,770 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 22,78,368.23 करोड़ रुपए थी, जिसके बढ़कर 27,19,218.09 करोड़ रुपए पर पहुंच जाने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इन परियोजनाओं की लागत 19.35 प्रतिशत या 4,40,849.86 करोड़ रुपये बढ़ी है। रिपोर्ट के अनुसार जून-2021 तक इन परियोजनाओं पर 13,22,374.82 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं, जो कुल अनुमानित लागत का 48.63 प्रतिशत है। हालांकि मंत्रालय का कहना है कि यदि परियोजनाओं के पूरा होने की हालिया समयसीमा के हिसाब से देखें, तो देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या कम होकर 396 पर आ जाएगी। रिपोर्ट में 979 परियोजनाओं के चालू होने के साल के बारे में जानकारी नहीं दी गई है।रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी से चल रही 541 परियोजनाओं में 109 परियोजनाएं एक महीने से 12 महीने की, 119 परियोजनाएं 13 से 24 महीने की, 192 परियोजनाएं 25 से 60 महीने की तथा 121 परियोजनाएं 61 महीने या अधिक की देरी में चल रही हैं। इन 541 परियोजनाओं की देरी का औसत 45.76 महीने है।

स्पाइसजेट देशभर में 16 नई उड़ानें शुरू करेगी

नई दिल्ली। विमानन कंपनी स्पाइसजेट देशभर में 16 नई उड़ानें शुरू करने की योजना बना रही है। जिसमें गुजरात के भावनगर को दिल्ली, मुंबई और सूरत से जोड़ने वाली सीधी उड़ानें भी शामिल हैं। विमानन कंपनी ने कहा कि वह 10 और उड़ानें भी शुरू करेंगी जो ग्वालियर को जयपुर, किशनगढ़ (अजमेर) को मुंबई, बेलागवी को दिल्ली और विशाखापत्तनम को बेंगलुरु से जोड़ेगी। इसके अलावा दिल्ली-जम्मू के बीच एक अतिरिक्त उड़ान जोड़ी जायेगी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि वह अपने घरेलू नेटवर्क में भावनगर (गुजरात) को जोड़ने सहित 16 नई उड़ानें शुरू करेगी। भावनगर को दिल्ली, मुंबई और सूरत से जोड़ने वाली सीधी उड़ानें 20 अगस्त से शुरू होंगी।

मारुति सुजुकी ने जुलाई में बेची 1.62 लाख गाड़ियां

नई दिल्ली।

मारुति सुजुकी इंडिया ने जुलाई 2021 में कुल 1,62,462 वाहनों की बिक्री की है। पिछले साल इसी अवधि के दौरान कंपनी ने 1,08,064 वाहन बेचे थे। एक बयान में कंपनी ने बताया है कि, जुलाई 2021 में घरेलू बिक्री जुलाई 2020 की तुलना में बेहतर रही है, एक तुलना सार्थक नहीं है क्योंकि जुलाई 2020 में महामारी से संबंधित व्यवधानों के कारण बहुत कम आधार था। पिछले महीने की कुल बिक्री में 136,500 इकाइयों की घरेलू बिक्री, अन्य ओईएम को 4,738 इकाइयों की बिक्री और 21,224 इकाइयों का निर्यात शामिल है। इसके हल्के वाणिज्यिक वाहन सुपर कैरी की बिक्री 2,768 रही, जो पिछले साल की समान अवधि के दौरान बेची गई 2,232 इकाई थी। इसके मिनी यात्री वाहनों ऑल्टो, एस-प्रेसो की बिक्री 19,685 इकाइयों की रही, जबकि कॉम्पैक्ट यात्री वाहनों - वैगनआर, स्विफ्ट, सेलेरियो, इग्निस, बलेनो, डिजायर, टूर एस की बिक्री 70,268 इकाइयों में रही है।

वोडाफोन मध्यस्थता फैसले के खिलाफ सिंगापुर की उच्च अदालत में सुनवाई सितंबर में

नई दिल्ली ।

भारत सरकार की वोडाफोन मामले में अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायाधिकरण के फैसले को चुनौती देने वाली अपील को सिंगापुर की उच्च अदालत में स्थानांतरित कर दिया गया है। जानकारी के मुतो बिक भारत सरकार की अपील पर सुनवाई सितंबर में होगी। अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायाधिकरण ने भारत सरकार के वोडाफोन समूह पर पिछली तारीख से 22,100 करोड़ रुपए की कर की मांग को खारिज कर दिया था, जिसके खिलाफ भारत सरकार ने अपील की है। अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायाधिकरण ने पिछले साल 25 सितंबर को कर विभाग की ब्रिटेन की दूरसंचार कंपनी पर 22,100 करोड़ रुपए की कर और जुर्माने की मांग को खारिज कर दिया था। विभाग ने ब्रिटिश कंपनी द्वारा 2007 में भारतीय ऑपरेटर के अधिग्रहण के मामले में यह कर मांग की थी। सरकार ने पिछले साल दिसंबर में अधिकार क्षेत्र के आधार पर इस फैसले के खिलाफ अपील की थी। इस मामले की जानकारी रखने वालों का कहना है कि अब भारत सरकार की अपील को उच्च अदालत को स्थानांतरित कर दिया गया है और इस पर सुनवाई सितंबर में होगी।

शेयर बाजार समीक्षा: आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा तय करेगी बाजार की चाल

नई दिल्ली।

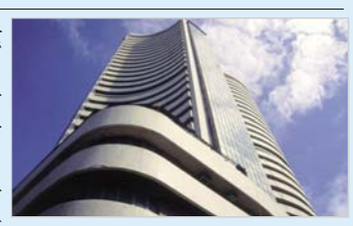

इस सप्ताह वृहद आर्थिक आंकड़ों, कंपनियों के तिमाही परिणामों तथा तथा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ब्याज दरों पर निर्णय से तय होगी। बाजार के जानकारों ने यह राय व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा वैश्विक रुख तथा टीकाकरण से भी बाजार को दिशा मिलेगी। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि आगामी सप्ताह घरेलू मोर्चे पर प्रमुख घटनाक्रम आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा रहेगा। अर्थव्यवस्था के पुनरुद्धार की क्या स्थिति है, इसके लिए बाजार को विनिर्माण और सेवा पीएमआई आंकड़ों का इंतजार है। पिछले सप्ताह के दौरान एचडीएफसी, पीएनबी, अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन, बैंक ऑफ इंडिया, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा के तिमाही नतीजे आने हैं। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक इसी सप्ताह है। इसके अलावा वाहनों की बिक्री के आंकड़े, पीएमआई आंकड़े तथा तिमाही नतीजों की वजह से बाजार में शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिलेंगी। वृहद आर्थिक आंकड़े, टीकाकरण की रफ्तार मुख्य रूप से बाजार के लिए उत्प्रेरक होंगे। इसके अलावा वाहन कंपनियों के मासिक बिक्री आंकड़ों पर भी सभी की निगाह रहेगी। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 388.96 अंक नीचे आया। इसके अलावार मानसून की प्रगति, कंपनियों के तिमाही नतीजों और कोविड-19 का रुख निकट भविष्य में बाजार की दिशा तय कर सकता है।

जुलाई में जीएसटी राजस्व संग्रह 1.16 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा

नई दिल्ली।

जुलाई 2021 में कुल जीएसटी राजस्व 1,16,393 करोड़ रुपये रहा है। कुल राजस्व में से सीजीएसटी 22,197 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 28,541 करोड़ रुपये, आईजीएसटी 57,864 करोड़ रुपये था, जिसमें माल के आयात पर इक्ट्ठे 27,900 करोड़ रुपये सहित और उपकर 7,790 करोड़ रुपये था, जिसमें माल के आयात पर 815 करोड़ रुपये शामिल थे। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, 1-5 जुलाई के दौरान 4,937 करोड़ रुपये के रिटर्न के लिए जीएसटी संग्रह को भी जून 2021 के जीएसटी संग्रह में शामिल किया गया था क्योंकि करदाताओं को छूट या देरी से रिटर्न दाखिल करने पर ब्याज में कमी के रूप में महामारी के कारण कई राहतें दी गई थीं। सरकार ने नियमित निपटान के रूप में सीजीएसटी से 28,087 करोड़ रुपये एसजीएसटी और 24,100 करोड़ रुपये आईजीएसटी के लिए तय किए हैं। जुलाई 2021 के महीने में नियमित निपटान के बाद केंद्र और राज्यों का कुल राजस्व सीजीएसटी के लिए 50,284 करोड़ रुपये और एसजीएसटी के लिए 52,641 करोड़ रुपये था। जुलाई 2021 के महीने का राजस्व पिछले साल के इसी महीने में जीएसटी राजस्व से 33 प्रतिशत ज्यादा है। महीने के दौरान, माल के आयात से राजस्व 36 प्रतिशत ज्यादा था और घरेलू लेनदेन (सेवाओं के आयात सहित) से राजस्व पिछले वर्ष के इसी महीने के दौरान इन स्रोतों से राजस्व की तुलना में 32 प्रतिशत ज्यादा है। जीएसटी संग्रह, लगातार आठ महीनों के लिए 1 लाख करोड़ रुपये से ऊपर पोस्ट करने के बाद, जून 2021 में संग्रह के रूप में जून 2021 में 1 लाख करोड़ रुपये से नीचे आ गया, मुख्य रूप से मई 2021 के महीने से संबंधित है और मई 2021 के दौरान, अधिकांश राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में कोविड के कारण पूर्ण या आंशिक रूप से लॉकडाउन किया गया था। कोविड प्रतिबंधों में ढील के साथ, जुलाई 2021 के लिए जीएसटी संग्रह फिर से 1 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है, जो स्पष्ट रूप से इंगित करता है कि अर्थव्यवस्था तेज गति से ठीक हो रही है। वित्त मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि आने वाले महीनों में भी मजबूत जीएसटी राजस्व जारी रहने की संभावना है। जीएसटी संग्रह संख्या पर टिप्पणी करते हुए, डेलॉयट इंडिया के वरिष्ठ निदेशक, एम.एस. मणि ने कहा, संग्रह में तेज वृद्धि जून में आर्थिक गतिविधियों को फिर से शुरू करने का संकेत देती है और आने वाले महीनों में बेहतर संग्रह की उम्मीदें बढ़ाएगी। मणि ने कहा, घरेलू लेनदेन और आयात दोनों पर जीएसटी संग्रह में सुधार, इस तथ्य के साथ कि प्रमुख उत्पादक राज्यों ने उल्लेखनीय वृद्धि दिखाई है। यह दर्शाता है कि देश भर में आर्थिक गतिविधियां फिर से शुरू हो गई हैं।

(तेल-तिलहन बाजार समीक्षा)

मांग बढ़ने से बीते सप्ताह तेल-तिलहन की कीमतें सुधरी

नई दिल्ली।

वैश्विक बाजारों में तेजी की वजह और त्योहारी मांग के साथ-साथ तेल रहित खलों की भारी स्थानीय और निर्यात मांग से दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह सरसों, सोयाबीन सहित लगभग सभी तेल-तिलहनों के भाव लाभ दर्शाते बंद हुए। बाजार के जानकारों का कहना है कि बीते सप्ताह विदेशों के अलावा स्थानीय स्तर पर पॉल्ट्री वालों की सरसों, मूंगफली, सोयाबीन सहित विभिन्न खाद्य तेलों के तेल रहित खल की भारी स्थानीय मांग है। इस साल पिछले वर्ष के मुकाबले डीओसी के निर्यात में लगभग 300 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जिससे डीओसी की कमी पैदा हुई है। डीओसी की भारी मांग को देखते हुए समीक्षाधीन सप्ताहांत में सरसों, सोयाबीन और मूंगफली तेल-तिलहनों के भाव पर्याप्त सुधार के साथ बंद हुए। पिछले हफ्ते सोयाबीन डीओसी का भाव 8,000-8,300 रुपये क्विन्टल के बीच चल रहा था जो समीक्षाधीन सप्ताहांत में बढ़कर कोटा में 9,200 रुपए और छत्तीसगढ़ में 9,600 रुपए क्विन्टल हो गया है। इसी प्रकार मूंगफली डीओसी की भारी मांग के कारण भी समीक्षाधीन सप्ताहांत में मूंगफली तेल-तिलहनों के भाव पर्याप्त मजबूत हो गए।बीते सप्ताह सरसों दाने का भाव 50 रुपए का लाभ दर्शाता 7,775-7,825 रुपए प्रति क्विन्टल हो गया, जो पिछले सप्ताहांत 7,725-7,775 रुपए प्रति क्विंटल था। सरसों दादरी तेल का भाव भी 250 रुपए बढ़कर 15,550 रुपए प्रति क्विन्टल हो गया। सरसों पक्की घानी और कच्ची घानी टिनों के भाव भी समीक्षाधीन सप्ताहांत में क्रमशः 30 रुपए और 15 रुपए का सुधार दर्शाते क्रमशः 2,530-2,580 रुपए और 2,615-2,725 रुपए प्रति टिन पर बंद हुए। सोयाबीन के तेल रहित खल (डीओसी) की भारी स्थानीय और निर्यात मांग के कारण सोयाबीन दाना और लूज के भाव क्रमशः 1,000 रुपए और 925 रुपए का सुधार दर्शाते क्रमशः 10,025-10,050 रुपए और 9,725-9,825 रुपए प्रति क्विन्टल पर बंद हुए। सोयाबीन दिल्ली (रिफाइंड), सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के भाव क्रमशः 100 रुपए, 200 रुपए और 300 रुपए के सुधार के साथ क्रमशः 15,150 रुपए, 15,050 रुपए और 13,750 रुपए प्रति क्विन्टल पर बंद हुए। मूंगफली डीओसी की भारी स्थानीय मांग निकलने से समीक्षाधीन सप्ताहांत में मूंगफली दाना 400 रुपए के सुधार के साथ 6,245-6,390 रुपए, मूंगफली गुजरात 200 रुपए सुधरकर 14,500 रुपए प्रति क्विन्टल पर बंद हुआ। जबकि मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड का भाव 30 रुपए के सुधार के साथ 2,235-2,365 रुपए प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताहांत में कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का भाव 350 रुपए के सुधार के साथ 11,750 रुपए क्विन्टल पर बंद हुआ। देश में पामोलीन का आयात खोले जाने के बाद पामोलीन दिल्ली और पामोलीन कांडला तेल का भाव भी क्रमशः 230 और 100 रुपए के सुधार के साथ क्रमशः 13,580 रुपए और 12,400 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

टाटा कंपनी पैसेंजर वाहनों की कीमतों में बढ़ोतरी करेगी

वाहनों की लागत के महंगे होने के कारण लिया यह फैसला

नई दिल्ली।

भारत की दिग्गज वाहन निर्माता अगले सप्ताह से भारत में अपने पैसेंजर वाहनों की कीमतों में बढ़ोतरी करेगी। रिपोर्ट के मुताबिक वाहनों को बनाने में आ रही लागत के महंगे होने के कारण कंपनी यह फैसला कर रही है। बता दें कि यह तीसरी बार होगा, जब कंपनी अपने वाहनों की कीमतों में बढ़ोतरी करेगी। टाटा मोटर्स ने इससे पहले इस साल मई महीने में अपने वाहनो की कीमतों में 1.8 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की थी। जबकि, कंपनी ने इस साल जनवरी महीने में अपनी कारों की कीमतों को 26,000 रुपये तक महंगा कर दिया था। बता दें कि टाटा मोटर्स भारतीय बाजार में अपनी टीयागो, टीगोर, नेक्सन, हेरियर और सफारी जैसी पैसेंजर गाड़ियों की बिक्री करती है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर भी अपने ग्राहकों को झटका देने जा रही है। जापान की दिग्गज कार निर्माता अपनी टोयोटा इनोवा क्रिस्टा की कीमतों को 1 अगस्त 2021 से 2 फीसदी तक महंगा करने जा रही है। बता दें कि इनोवा क्रिस्टा कंपनी की लोकप्रिय मल्टी परपज व्हीकल है, जिसकी भारतीय बाजार में एक्स-शोरूम कीमत 16.11 लाख रुपये है।

कीमतों को बढ़ाने के पीछे कंपनी का कहना है कि इनोवा क्रिस्टा को बनाने में आ रही लागत में बढ़ोतरी के कारण उसे यह फैसला लेना पड़ रहा है। बता दें कि देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी ने हाल ही में अपनी स्वीफ्ट और सीएनजी मॉडल लाइन-अप की कीमतों में 15,000 रुपये की बढ़ोतरी की है। बता दें कि टाटा मोटर्स ने इस महीने की शुरुआत में घोषणा की थी कि वह अपने पैसेंजर वाहनों को महंगा करने की योजना बना रही है। हालांकि, तब कंपनी ने यह नहीं बताया था कि वाहनों की कीमतों में कब और कितनी बढ़ोतरी की जाएगी।

अप्रैल-जून तिमाही में 58 फीसदी घरों की बिक्री में आई गिरावट

नई दिल्ली ।

डेटा एनालिटिक कंपनी प्रॉपइक्विटी की हाल ही में जारी की गई एक रिपोर्ट के अनुसार कोविड-19 की दूसरी लहर की वजह से अप्रैल-जून, 2021 तिमाही में देश के सात बड़े शहरों में घरों की बिक्री में 58 प्रतिशत की गिरावट आई है। आंकड़े के मुताबिक रिहायशी संपत्तियों की बिक्री अप्रैल-जून, 2021 तिमाही में 45,208 इकाई थी जबकि उससे पहले की तिमाही जनवरी-मार्च 2021 में यह 1,08,420 इकाई थी। अप्रैल और मई में भारत में कोविड-19 की दूसरी लहर का बुरा असर पड़ा जिसके साथ बिक्री में 58 प्रतिशत की भारी गिरावट आई। बयान में कहा गया कि भारत के प्रमुख शहरों में कड़े लॉकडाउन ने घरों की बिक्री को प्रभावित किया क्योंकि आवासीय पंजीकरण निलंबित कर दिए गए थे और गृह ऋण का वितरण धीमा था। बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई महानगर क्षेत्र, दिल्ली-एनसीआर और पुणे में 2021 की दूसरी तिमाही में 2021 की पहली तिमाही की तुलना में घरों की बिक्री में क्रमशः 55 प्रतिशत, 59 प्रतिशत, 49 प्रतिशत, 57 प्रतिशत, 63 प्रतिशत, 43 प्रतिशत और 62 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। हालां कि वार्षिक आधार पर इस तिमाही में 2020 की समान अवधि की तुलना में बिक्री में वृद्धि दर्ज की गई। अप्रैल-जून 2021 तिमाही में देश के सात बड़े शहरों में हुई 45,208 इकाइयों की बिक्री अप्रैल-जून 2020 के 29,942 इकाइयों की तुलना में 51 प्रतिशत ज्यादा थी।

कमर्शियल गैस सिलेंडर के भाव 73.50 रुपए बढ़े

नई दिल्ली ।

सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने अगस्त महीने की शुरुआत में ही एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में बढ़ोतरी कर दी है। देश की प्रमुख पैट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने 19 किलो के कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत 73.50 रुपए बढ़ा दी है। इसके बाद दिल्ली में 19 किलो का कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत 1623 रुपए हो गई है। पेट्रोलियम कंपनियों ने हालांकि आम लोगों को राहत दी है क्यों कि रसोई में उपयोग आने वाले 14.2 किलो के एलपीजी सिलेंडर के भाव में कोई बदलाव नहीं किया है। पिछले महीने जुलाई में ही रसोई गैस के सिलेंडर के भाव 25.50 बढ़ाए गए थे। इस समय दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाला रसोई गैस सिलेंडर 834.50 का मिल रहा है। दिल्ली में बिना सब्सिडी वाले 14.2 किग्रा सिलेंडर का दाम बिना बदलाव के 834.50 रुपए, कोलकाता में 861 रुपए, मुंबई में 834.50 रुपए और चेन्नई में 850.50 रुपए है। कमर्शियल एलपीजी के भाव में सबसे ज्यादा वृद्धि चेन्नई में हुई है। दिल्ली में 19 किलो के कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत 73 रुपए बढ़कर 1623.50 हो गई है। कोलकाता में कमर्शियल गैस सिलेंडर का भाव 72.50 बढ़कर 1623 पर पहुंच गया है। मुंबई में 19 किलो के कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत अब 1579.50 रुपए और चेन्नई में 1761 रुपए प्रति सिलेंडर हो गई है।

रिलेक्सो फुटवियर्स का मुनाफा 27.8 प्रतिशत बढ़कर 30.96 करोड़

नई दिल्ली ।

रिलेक्सो फुटवियर्स लिमिटेड ने बताया कि जून 2021 में समाप्त तिमाही में उसका मुनाफा 27.83 प्रतिशत बढ़कर 30.96 करोड़ रुपए हो गया। रिलेक्सो फुटवियर्स ने बताया कि पिछले वित्तवर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में उसे 24.22 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। समीक्षाधीन अवधि के दौरान कंपनी को परिचालन से होने वाली आय 36.73 प्रतिशत बढ़कर 497.13 करोड़ रुपए हो गई, जो पिछले वित्तवर्ष की समान अवधि में 363.58 करोड़ रुपए थी। रिलैक्सो फुटवियर्स का कुल खर्च अप्रैल-जून 2020 की तुलना में 36.67 प्रतिशत बढ़कर 462.15 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अप्रैल और मई के महीनों के दौरान विभिन्न स्थानों पर स्थानीयकृत लॉकडाउन के कारण गंभीर व्यवधान थे। उन्होंने कहा कि सभी चुनौतियों के बावजूद हम अपने ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण, बाजार हिस्सेदारी और गुणवत्ता सुधार पर निरंतर ध्यान देने के कारण एक और जुझारु तिमाही परिणाम देने में कामयाब रहे, हालांकि, हम कच्चे माल की कीमतों में बढ़त की प्रवृत्ति को लेकर सतर्क हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

ओलंपिक (बीएमएक्स) : स्वर्ण जीतने के लिए चार्लोट ने लगाई 360 डिग्री की बैकफ्लिप

टोक्यो।

ग्रेट ब्रिटेन की चार्लोट वोर्दिंग्टन ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में सभी को हैरान कर देने वाला अनूठा कारनामा करते हुए पहली बार ओलंपिक खेलों में शामिल की गई महिलाओं की बीएमएक्स फ्रीस्टाइल पार्क फाइनल का स्वर्ण पदक जीत लिया। चार्लोट ने महिला कॉम्पिटीशन में 360 डिग्री की बैकफ्लिप लगाने वाली पहली साइक्लिस्ट बनते हुए 97.50 अंक जुटाए और अन्य सभी को पीछे छोड़ दिया। स्पर्धा की फेवरेट मानी गई अमेरिका की हाना राबटर्स ने 96.10 अंक के साथ रजत पदक जीता, जबकि स्विट्जरलैंड की निकिता डुकारोज के खाते में 89.20 अंक के साथ कांस्य पदक आया।

ओलंपिक (बैडमिंटन) : लगातार 2 ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट बनीं सिंधु

टोक्यो।

भारत की महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने रविवार को चीन की जियाओ हे बिंग को हराकर टोक्यो ओलंपिक में महिला एकल का कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। रियो ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली छठी सीड सिंधु ने मुशासहीनो फॉरेस्ट प्लाजा कोर्ट नम्बर-1 पर आठवीं सीड बिंग को 52 मिनट में 21-13, 21-15 से हराया और लगातार दो ओलंपिक पदक जीतने वाली भारत की पहली बैडमिंटन खिलाड़ी और दूसरी एथलीट बन गईं। ध्यान रखने वाली बात यह है कि यह सिंधु का मात्र दूसरा ओलंपिक था। रियो में सिंधु ने डेब्यू किया था। यही नहीं, पहलवान सुशील कुमार के बाद लगातार दो ओलंपिक पदक जीतने वाली सिंधु दूसरी भारतीय हैं। सुशील ने 2008 के बीजिंग ओलंपिक में कांस्य और 2012 के लंदन ओलंपिक में रजत पदक जीता था। रियो ओलंपिक में सिंधु फाइनल में स्पेन की केरोलिना मारिन के हाथों हार गई थीं। यहां टोक्यो में सिंधु को सेमीफाइनल में ताइवान की ताए जू यिंग के हाथों हार मिली थी। सिंधु के इस पदक के साथ टोक्यो में भारत के कुल दो पदक हो गए हैं। इससे पहले वेटलिफ्टिंग में मीराबाई चानू ने रजत पदक जीत था। इस तरह भारत ने रियो में जीत गए पदकों की बराबरी कर ली है। रियो में सिंधु ने जहां कांस्य जीता था वहीं साक्षी मलिक ने कुश्ती में कांस्य जीता था।

ओलंपिक (गोल्फ):

अमेरिका के शॉफेल ने स्वर्ण जीता, लाहिड़ी संयुक्त-42वें स्थान पर रहे

टोक्यो।

अमेरिका के जेंडर शॉफेल ने रविवार को सैतामा प्रीफेक्र र के कावागोई शहर के कासुमीगासेकी कंट्री क्लब में 18-अंडर-पार 266 स्कोर के साथ टोक्यो ओलंपिक में पुरुषों का गोल्फ स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीत लिया। शॉफेल ने कहा कि ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतना उनके करियर की सबसे बड़ी जीत है। शऑफेल ने कहा, मैं वास्तव में अपने पिता के लिए जीतना चाहता था। मुझे यकीन है कि वह अभी कहीं रो रहे है। भारत के अनिर्बान लाहिड़ी ने फाइनल राउंड में एक ओवर किया और टूर्नामेंट के लिए पांच अंडर के साथ तीन अन्य के साथ संयुक्त रूप से 42वें स्थान पर रहे। उदयन माने फाइनल राउंड में एक ओवर और कुल तीन ओवर के साथ 56वें स्थान पर थे। संयुक्त 28वें स्थान पर रहते हुए फाइनल राउंड में पहुंचने वाले पहुंचकर लाहिड़ी ने फाइनल राउंड में एक ओवर 72 का कार्ड हासिल किया और फाइव अंडर 279 (67, 72, 68, 72) के कुल स्कोर के साथ 42वें स्थान पर खिसक गए। ओलंपिक में पदार्पण करने वाले माने ने भी अपने चौथे दौर में एक ओवर 72 का स्कोर किया और 60-खिलाड़ियों के क्षेत्र में तीन ओवर 287 (76, 69, 70, 72) के स्कोर के साथ 56 वें स्थान पर रहे। स्लोवाक गोल्फर रोरी सब्बातिनी ने एक शॉट पीछे रजत जीता। चीनी ताइपे के पान चेंग-सुंग ने प्ले-ऑफ के बाद कांस्य पदक जीता। महिला प्रतियोगिता चार से सात अगस्त तक होगी।

ओलंपिक (तैराकी) : ड्रेसेल ने पुरुषों की 50 मीटर फ्रीस्टाइल का स्वर्ण जीता

टोक्यो। संयुक्त राज्य अमेरिका के तैराक कैलेब ड्रेसेल ने रविवार को यहां पुरुषों की 50 मीटर फ्रीस्टाइल में जीत के साथ टोक्यो ओलंपिक में अपना चौथा स्वर्ण पदक जीता। मौजूदा विश्व चैंपियन ने फ्रांस के फ्लोरेंट मनौडौ से 0.48 सेकेंड पहले 21.07 सेकेंड के ओलंपिक रिकॉर्ड समय में फिनिश लाइन को छुआ। ब्राजील के ब्रूनो फ्रेटस ने 21.57 सेकेंड में कांस्य पदक जीता। 24 वर्षीय ड्रेसेल ने रविवार के फाइनल से पहले 100 मीटर फ्रीस्टाइल, बटरफ्लाई और 4100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले में तीन स्वर्ण जीते हैं। ऑस्ट्रेलिया की एम्मा मैककॉन ने महिलाओं की 50 मीटर फ्रीस्टाइल फाइनल में विश्व रिकॉर्ड धारक स्वीडन की सारा सोजोस्ट्रोम को हराकर 23.81 सेकेंड समय के साथ स्वर्ण जीता। डेनमार्क के डिफेंडिंग चैंपियन पर्निल ब्लूम 24.21 सेकेंड के साथ तीसरे स्थान पर रही। दो स्वर्ण और तीन कांस्य पदक के बाद टोक्यो में एम्मा की सफल यात्रा में यह छठा पदक है। संयुक्त राज्य अमेरिका के रॉबर्ट फिन्के ने पुरुषों की 1,500 मीटर फ्रीस्टाइल जीती। वह इससे पहले 800 मीटर फ्रीस्टाइल में भी स्वर्ण जीत चुके हैं।

ओलंपिक (महिला टेनिस): बारबोरा-कतेरीना ने जीता महिला युगल स्वर्ण

टोक्यो।

शीर्ष वरीयता प्राप्त बारबोरा क्रेजसिकोवा और कतेरीना सिनियाकोवा ने रविवार को ओलंपिक में स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेनसिक और विक्टोरिजा गोलुबिक पर सीधे सेटों के अंतर से जीत के साथ महिला युगल में चेक गणराज्य के लिए पहला स्वर्ण पदक अर्जित किया। इस साल की फ्रेंच ओपन एकल और युगल चैंपियन बारबोरा और कतेरीना ने बेलिंडा-विक्टोरिजा की जोड़ी को एक घंटे 25 मिनट में 7-5, 6-1 से हराकर महिला युगल स्वर्ण जीतने वाली चेक गणराज्य की पहली टीम बन गई। . बारबोरा और कतेरीना महिला युगल ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली तीसरी चेक जोड़ी थीं। हेलेना सुकोवा और स्वर्गीय जाना नोवोत्ना - बारबोरा के पूर्व संरक्षक - ने 1988 और 1996 दोनों

ओलंपिक में रजत पदक जीता था, जबकि एंड्रिया ह्लावाकोवा और लूसी हेराडेका ने 2012 में रजत अर्जित किया था। बेलिंडा और विक्टोरिजा ने 2016 में टिमिया बेसिंस्की और मार्टिना हिंगिस के बाद महिला युगल में स्विट्जरलैंड का दूसरा ओलंपिक रजत पदक अर्जित किया। बेलिंडा, जिन्होंने एकल स्पर्धा के 16वें दौर में बारबोरा को हराया, एकल में स्वर्ण जीतने के बाद दो पदक के साथ घर की ओर बढ़ेंगी।

संक्षिप्त समाचार

ओलंपिक (पुरुष टेनिस) : ज्वेरेव ने जीता एकल स्वर्ण

टोक्यो। जर्मनी के चौथी वरीयता प्राप्त एलेक्सजेंडर ज्वेरेव ने टोक्यो ओलंपिक 2020 का पुरुष एकल टेनिस खिताब अपने नाम कर लिया है। ज्वेरेव ने स्वर्ण पदक के मुकाबले में रूस के 12वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी केरेन खाचानोव को बेहद एकतरफा तरीके से 6-3, 6-1 से सीधे सेटों में हराया। यह मुकाबला 1 घंटा 19 मिनट चला, जिसमें केरेन कहीं भी ज्वेरेव के सामने टिकते नजर नहीं आए। इससे पहले, स्पेन के पाब्लो बुस्ता केरेनो ने वर्ल्ड नम्बर-1 सर्बिया के नोवाक जोकोविच को हराकर पुरुष एकल का कांस्य जीता था।

ओलंपिक (महिला तैराकी) : ऑस्ट्रेलिया ने जीता 4गुणा100 मी. मेडले रिले का स्वर्ण

टोक्यो।

टोक्यो ओलंपिक 2020 की महिला 4गुणा100 मीटर मेडले रिले में ऑस्ट्रेलियाई तैराकों ने रविवार को ओलंपिक रिकॉर्ड और स्वर्ण पदक, दोनों ही अमेरिकी टीम से छीन लिए। केली मेकोन के नेतृत्व वाली चेल्सी हॉज, एमा मेकोन और केट कैम्पबेल की चौकड़ी ने 3 मिनट 51.60 सेकेंड का नया ओलंपिक रिकॉर्ड बनाते हुए अपने देश को इस स्पर्धा में पांच ओलंपिक में तीसरी बार स्वर्ण पदक जिता दिया। इससे पहले एथेंस ओलंपिक खेल-2004 और बीजिंग ओलंपिक खेल-2008 में भी स्वर्ण जीत चुकी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने लंदन ओलंपिक खेल-2012 में अमेरिका का बनाया 3 मिनट 52.05 सेकंड का ओलंपिक रिकॉर्ड तोड़ा था। अब तक तैराकी में 10 ओलंपिक स्वर्ण जीत चुकी अमेरिकी टीम के लिए रेगान स्मिथ, लीडिया जैकोबाई, टोरी हस्के और एबे विस्कजेल ने मुकाबला किया लेकिन ऑस्ट्रेलिया से 0.13 सेकंड धीमा होने के कारण इन्हें रजत पदक मिला। 1960 से ओलंपिक खेलों में इस स्पर्धा में भाग लेने के बावजूद पदक नहीं जीत पाने वाली कनाडाई टीम ने कांस्य जीतकर इतिहास रच दिया।

ओलंपिक (पुरुष हॉकी) : आस्ट्रेलिया, जर्मनी, बेल्जियम सेमीफाइनल में पहुंचे

टोक्यो। आस्ट्रेलिया, बेल्जियम और जर्मनी की पुरुष हॉकी टीमों ने रविवार को अपना-अपना क्वार्टर फाइनल मुकाबला जीतकर सेमीफाइनल का टिकट कटा लिया है। जर्मनी ने जहां ओई हॉकी स्टेडियम में खेले गए दिन के पहले मुकाबले में ओलंपिक चैम्पियन अर्जेंटीना को 3-1 से हराया वहीं आस्ट्रेलिया ने नीदरलैंड्स को पेनाल्टी शूटआउट के बाद 3-0 से हराया। नीदरलैंड्स और आस्ट्रेलिया के बीच हुए मुकाबला निर्धारित समय तक 2-2 की बराबरी पर छूटा था। शूटआउट के दौरान आस्ट्रेलिया ने अपने गोलकीपर एंड्रयू लेविस चार्टर के साहसिक प्रदर्शन के दम पर यह मुकाबला अपने नाम किया। दूसरी ओर, जर्मनी ने लुकास विंडफेडर द्वारा किए गए दो गोलों की मदद से 2016 के रियो ओलंपिक में स्वर्ण जीतने वाली अर्जेंटीना की टीम को बाहर का रास्ता दिखाया।सेमीफाइनल में आस्ट्रेलिया के सामना जर्मनी से ही होगा। रविवार को ही विश्व चैम्पियन बेल्जियम ने तीसरे क्वार्टर फाइनल में स्पेन को 3-1 से हराया। सेमीफाइनल में अब बेल्जियम का सामना भारत और ब्रिटेन के बीच होने वाले चौथे मुकाबले के विजेता से होगा।

ओलंपिक (मुक्केबाजी) : सतीश हारे, पुरुष वर्ग में भारत की चुनौती समाप्त

टोक्यो। भारत के सुपर हेवीवेट मुक्केबाज सतीश कुमार को यहां जारी टोक्यो ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में हार मिली है। इसी के साथ पुरुष मुक्केबाजी में भारत की चुनौती समाप्त हो गई है। महिला वर्ग में कांस्य सुरक्षित करने के बाद भारत बड़े पदक उम्मीद कर रहा है। कोकुगिकान एरेना में रविवार को विश्व चैम्पियन और एशियाई चैम्पियन उज्बेकिस्तान के बाखोदीर जालोलोव ने ब्ल्यू कार्नर से खेल रहे सतीश को एकतरफा अंदाज में 5-0 के अंतर से हराकर टोक्यो से विदा किया। सतीश वैसे इस कटेगर में ओलंपिक खेलने वाले भारत के पहले मुक्केबाज बन चुके हैं। सतीश ने प्लस 91 किलोग्राम भार वर्ग के अंतिम-16 दौर के मुकाबले में गुरुवार को जमैका के रिकाडरे ब्राउन को प्रभावशाली तरीके से 4-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल का टिकट कटाया था। उस मुकाबले के दौरान उनकी एक पुरानी चोट के टांके खुल गए थे। सतीश को हालांकि सोमवार को फाइट करने की हरी झंडी मिल गई थी। उस प्रदर्शन को देखते हुए सतीश से टक्कर की उम्मीद की जा रही लेकिन वह जालोलोव के आगे चारो खाने चित्त हो गए। तीनों राउंड में जालोलोव अपने 32 वर्षीय भारतीय प्रतिद्वंद्वी पर पूरी तरह हावी रहे और हर राउंड में 5-0 के स्कोर के साथ जीत हासिल की। जालोलोव ने तीसरी बार सतीश को हराया है। जालोलोव ने 2016 के रियो ओलंपिक में पांचवां स्थान हासिल किया था। अब उनके पास उससे आगे निकलने का मौका है। इस इवेंट से भारत को एक कांस्य प्राप्त हुआ है। लवलीना बोर्गोहेन के सेमीफाइनल में पहुंचने से यह पदक पक्का हुआ है। वैसे अगर लवलीना अपना अगला मैच जीत जाती हैं तो भारत को मुक्केबाजी में ऐतिहासिक सफलता मिल सकती है।

ड्यूरेंट ओलंपिक में सर्वकालिक सफल अमेरिकी बास्केटबॉल खिलाड़ी बने

टोक्यो। केविन ड्यूरेंट अमेरिकी बास्केटबॉल टीम के साथ टोक्यो ओलंपिक के क्वार्टर-फाइनल में पहुंचने के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका की पुरुष टीम के लिए ओलंपिक में सबसे अधिक अंक जुटाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं । दो बार के ओलंपिक विजेता ड्यूरेंट, जिन्हें केडी नाम से भी जाना जाता है, ने अब अमेरिकी टीम के एक हिस्से के रूप में 354 अंक जुटा लिए हैं। लंदन 2012 में टीम यूएसए के पुरुष बास्केटबॉल टीम के लिए पदार्पण करने के लगभग नौ साल बाद केडी ने यह मुकाम हासिल किया है। पहले से ही दो बार के स्वर्ण पदक विजेता ड्यूरेंट के 23 अंकों की बदौलत अमेरिका ने टोक्यो 2020 में अपने अंतिम ग्रुप गेम में चेक गणराज्य को 119-84 से हराया। शनिवार को ड्यूरेंट ने अंकों के मामले में लेब्रोन जेम्स, डेविड रॉबिन्सन और माइकल जॉर्डन को सर्वकालिक सूची में पीछे छोड़ दिया है।

ओलंपिक (महिला हॉकी) : ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में भारत के पास खोने को कुछ नहीं

टोक्यो।

भारतीय महिला हॉकी टीम सोमवार को यहां ओलंपिक खेलों के हॉकी क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी। भारतीय लड़कियां बिना किसी दबाव के खेल सकती हैं क्योंकि उन्होंने पहली बार ओलंपिक के नॉकआउट चरण में प्रवेश कर इतिहास रच दिया है और अब उनके पास खोने के लिए कुछ नहीं है। टीम क्वार्टर में पहुंचने के लक्ष्य के साथ भारतीय तटों से टोक्यो के लिए रवाना हुई थी और वह छह टीमों के पूल-ए में दो जीत और तीन हार के साथ चौथे स्थान पर रही। भारतीय महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका पर 4-3 की जीत के बाद छह अंकों के साथ प्रारंभिक ग्रुप-ए में अपना अभियान समाप्त करने के बाद कुछ चिंताजनक घंटे बिताए थे क्योंकि वे गत चैंपियन ग्रेट ब्रिटेन और आयरलैंड के बीच मैच के परिणाम की प्रतीक्षा कर रहे थे।आयरलैंड के लिए एक जीत ने उनकी उम्मीदों को समाप्त कर दिया होता क्योंकि आयरिश ने बेहतर गोल अंतर पर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई होती। लेकिन ऐसा नहीं होना था क्योंकि ब्रिटेन ने आयरलैंड को 2-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में भारत के प्रवेश का मार्ग प्रशस्त किया। टीम ने अपना लक्ष्य हासिल किया, ऐसे में शुअर्ड मरेन की टीम के पास खोने के लिए कुछ नहीं हैं। अगर वो ऑस्ट्रेलिया पर जल्दी ही दबाव बनाने में कामयाब हो जाती हैं तो इस मैच में कुछ भी हो सकता है। हॉकीरूज नामक ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम नीदरलैंडस के बाद दुनिया में दूसरे स्थान पर है। वे पूल बी में एक सर्व-जीत रिकॉर्ड के साथ शीर्ष पर रहे, शायद ही कभी अपने समूह की किसी भी टीम से घबराए।इसके विपरीत, भारत ने दुनिया में नौवें स्थान की टीम के रूप में इस आयोजन की शुरूआत की और नीदरलैंडस, जर्मनी और ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ अपने पहले तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा। उन्हें अपने ग्रुप में आयरलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत का लक्ष्य बनाना था और उन्होंने आयरलैंड को 1-0 और दक्षिण अफ्रीका को 4-3 से हराकर ऐसा ही किया। केवल एक चीज जो वे बेहतर कर सकते थे, वह थी इन दोनों मैचों को बड़े अंतर से जीतना। उन्होंने आयरलैंड

के खिलाफ कई मौके बनाए - कुल 14 पेनल्टी कार्नर लेकिन एक भी गोल नहीं कर सके। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कई सर्कल में प्रवेश किया था लेकिन केवल चार गोल ही कर सके। उन पर कोई दबाव नहीं होने के कारण, टीम को शॉर्ट कॉर्नर पर कुछ अलग बदलावों की कोशिश करनी चाहिए क्योंकि गुरजीत कौर और दीप ग्रेस एक्का का अनुमान बहुत अधिक था और प्रतिद्वंद्वी गोलकीपरों ने उनके अधिकांश प्रयासों को रोक दिया था।

केरला ब्लास्टर्स एफसी ने बोस्नियाई डिफेंडर एनेस सिपोविक से करार किया

कोच्चि। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) क्लब केरला ब्लास्टर्स एफसी ने 2021/22 सीजन से पहले बोस्निया और हरजेगोविना के सेंट्रल डिफेंडर एनेस सिपोविक के साथ करार किया है। दिग्गज डिफेंडर इससे पहले एक सीजन के लिए चेन्नइयन एफसी की ओर से खेल चुके हैं। साराजेवो में बोस्नियाई क्लब जेलजेज्निकर के युवा क्ला माध्यम से आगे बढ़ने के बाद, सिपोविक रोमानियाई क्लब-एससी ओटेलुल गलाती में शामिल हो गए। पिछले सीजन में चेन्नइयन एफसी के लिए खेलने से पहले, वह कतर में उम्म सलाल के लिए खेले थे। सिपोविक ने चेन्नइयन एफसी के लिए नियमित रूप से प्रदर्शन किया, पिछले सीजन में आईएसएल में 18 मैच खेले। एक पूर्व बोस्निया और हजेर्गोविना अंडर -21 अंतरराष्ट्रीय, सिपोविक केरल ब्लास्टर्स एफसी जसी पहनने वाले पहले बोस्नियाई खिलाड़ी बन जाएंगे। केरला ब्लास्टर्स एफसी के खेल निदेशक, करोलिस स्किकिस ने कहाः एनेस एक विश्वसनीय डिफेंडर है। उनका सेट पीस और पोजिशनिंग मजबूत है। मुझे पता है कि वह भारतीय परिस्थितियों के अनुकूल हो सकते है और वह एक उत्कृष्ट टीम खिलाड़ी है। मैं खुश हूं और जल्द ही उनके साथ काम करने की उम्मीद कर रहा हूं। सिपोविक ने कहा, मैं अद्भुत प्रशंसकों की फौज के साथ भारत के सबसे बड़े क्लबों में से एक में शामिल होने के लिए बहुत उत्साहित हूं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

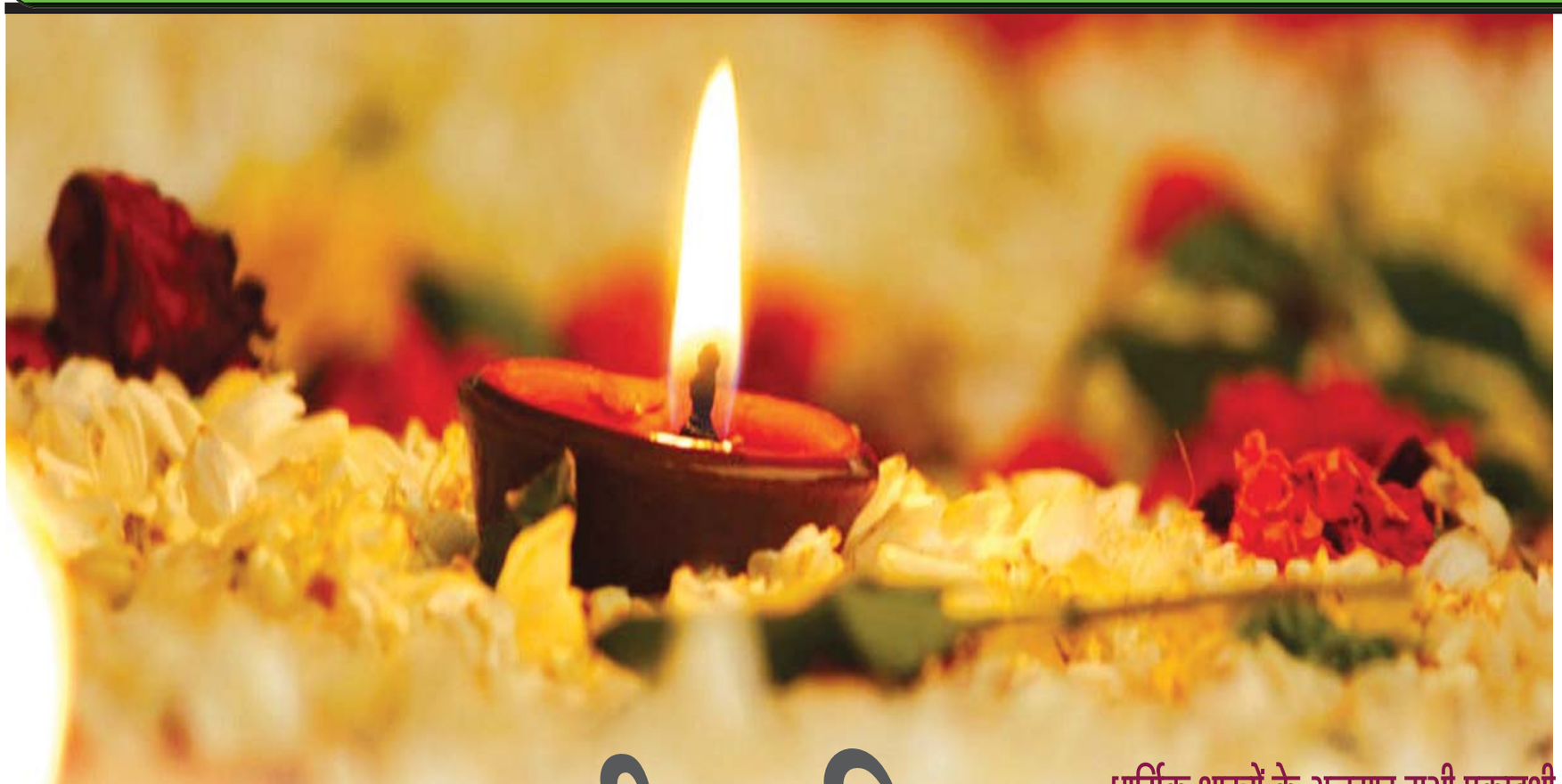

सावन मास की कामिका एकादशी कब है?

महत्व, शुभ मुहूर्त, कथा और व्रत पारण का समय

धार्मिक शास्त्रों के अनुसार सभी एकादशी व्रतों में से कामिका एकादशी को भगवान श्रीहरि विष्णु का सबसे उत्तम व्रत माना जाता है, क्योंकि यह व्रत भगवान शिव के पवित्र मास श्रावण में आता है। इस दिन श्रीहरि विष्णुजी का पूजन और उपवास करके आप अपने कष्टों से मुक्त हो सकते हैं।

इस वर्ष 4 अगस्त 2021, बुधवार को कामिका एकादशी मनाई जा रही है। इस दिन व्रत रखा जाएगा और उसी दिन भगवान विष्णु की विधिपूर्वक पूजा की जाएगी। कामिका एकादशी के दिन तुलसी पत्ते का प्रयोग भी बेहद लाभकारी माना जाता है। अतः एकादशी पूजन में तुलसी का प्रयोग अवश्य करें। इस साल कामिका एकादशी व्रत में सर्वार्थ सिद्धि योग में रखा जाएगा।

महत्व- श्रावण कृष्ण पक्ष में आने वाली इस एकादशी को कामिका एकादशी कहते है। इस एकादशी की कथा एक समय स्वयं ब्रह्माजी ने देवर्षि नारद से कही थी। इसको सुनने मात्र से वाजपेय यज्ञ का फल मिलता है। इस दिन शंख, चक्र, गदाधारी विष्णु भगवान का पूजन होता है, जिनके नाम श्रीधर, हरि, विष्णु, माधव, मधुसूदन हैं। उनकी पूजा करने से जो फल मिलता है सो सुनो। जो फल गंगा, काशी, नैमिषारण्य और पुष्कर स्नान से मिलता है, वह विष्णु भगवान के पूजन से मिलता है। जो फल सूर्य व चंद्र ग्रहण पर कुरुक्षेत्र और काशी में स्नान करने से, समुद्र, वन सहित पृथ्वी दान करने से, सिंह राशि के बृहस्पति में गोदावरी और गंडकी नदी में स्नान से भी प्राप्त नहीं होता वह भगवान विष्णु के पूजन से मिलता है।

जो मनुष्य श्रावण में भगवान का पूजन करते हैं, उनसे देवता, गंधर्व और सूर्य आदि सब पूजित हो जाते हैं। अत- पापों से डरने वाले मनुष्यों को कामिका एकादशी का व्रत और विष्णु भगवान का पूजन अवश्यमेव करना चाहिए। पापरूपी कीचड़ में फंसे हुए और संसाररूपी समुद्र में डूबे मनुष्यों के लिए इस एकादशी का व्रत और भगवान विष्णु का पूजन अत्यंत आवश्यक है। इससे बढ़कर पापों के नाशों का कोई उपाय नहीं है।

स्वयं भगवान ने यही कहा है कि कामिका व्रत से जीव कुयोनि को प्राप्त नहीं होता। जो मनुष्य इस एकादशी के दिन भक्तिपूर्वक तुलसी दल भगवान विष्णु को अर्पण करते हैं, वे इस संसार के समस्त पापों से दूर रहते हैं। विष्णु भगवान रत्न, मोती, मणि तथा आभूषण आदि से इतने प्रसन्न नहीं होते जितने तुलसी दल से।

तुलसी दल पूजन का फल चार भार चांदी और एक भार स्वर्ण के दान के बराबर होता है। हे नारद! मैं स्वयं भगवान की अतिप्रिय तुलसी को सदैव नमस्कार करता हूं। तुलसी के पौधे को सींचने से मनुष्य की सब यातनाएं नष्ट हो जाती हैं। दर्शन मात्र से सब पाप नष्ट हो जाते हैं और स्पर्श से मनुष्य पवित्र हो जाता है। कामिका एकादशी पूजन के मुहूर्त और पारण का समय इस प्रकार रहेगा। अत- एकादशी पूजन में तुलसी का प्रयोग अवश्य करें। कामिका एकादशी पूजन के मुहूर्त और पारण का समय इस प्रकार रहेगा। आइए जानें...

कामिका एकादशी 2021 मुहूर्त-

हिंदू पंचांग के अनुसार, श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 03 अगस्त 2021, दिन मंगलवार को दोपहर 12.59 मिनट से प्रारंभ होकर उसका समापन 4 अगस्त, बुधवार को दोपहर 3.17 मिनट पर होगा। उदया तिथि के अनुसार, इस वर्ष कामिका एकादशी व्रत 4 अगस्त 2021 को रखा जाएगा।

कामिका एकादशी के दिन 4 अगस्त 2021, बुधवार को सुबह 05.44 मिनट से अगले दिन 05 अगस्त को सुबह 04.25 मिनट तक सर्वार्थ सिद्धि योग रहेगा। इस बार इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है। अतः कामिका एकादशी व्रत इस वर्ष सर्वार्थ सिद्धि योग में रखा जाएगा। इस समयावधि में आप व्रत-पूजन और पारण करके एकादशी व्रत का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

पारण का समय-

कामिका एकादशी व्रत का पारण 05 अगस्त, गुरुवार के दिन किया जाएगा। व्रत का पारण सुबह 05.45 मिनट से सुबह 08.26 मिनट के बीच कभी भी कर सकते हैं। द्वादशी तिथि का समापन शाम को 05.09 मिनट पर होगा।

कथा-

कथा के अनुसार प्राचीन काल में किसी गांव में एक ठाकुर जी थे। क्रोधी ठाकुर का एक ब्राह्मण से झगड़ा हो गया और क्रोध में आकर ठाकुर से ब्राह्मण का खून हो जाता है। अतः अपने अपराध की क्षमा याचना हेतु ब्राह्मण की क्रिया उसने करनी चाही, परंतु पंडितों ने उसे क्रिया में शामिल होने से मना कर दिया और वह ब्रह्म हत्या का दोषी बन गया। परिणामस्वरूप ब्राह्मणों ने भोजन करने से इंकार कर दिया।

तब उन्होंने एक मुनि से निवेदन किया कि- हे भगवान, मेरा पाप कैसे दूर हो सकता है, इस पर मुनि ने उसे कामिका एकादशी व्रत करने की प्रेरणा दी। ठाकुर ने वैसा ही किया जैसा मुनि ने उसे करने को कहा था। जब रात्रि में भगवान की मूर्ति के पास वह शयन कर रहा था, तभी उसे स्वप्न में प्रभु दर्शन देते हैं और उसके पापों को दूर करके उसे क्षमा दान देते हैं।

कामिका एकादशी की रात्रि को दीपदान तथा जागरण के फल का माहात्म्य चित्रगुप्त भी नहीं कह सकते। जो इस एकादशी की रात्रि को भगवान के मंदिर में दीपक जलाते हैं उनके पितर स्वर्गलोक में अमृतपान करते हैं तथा जो घी या तेल का दीपक जलाते हैं, वे सौ करोड़ दीपकों से प्रकाशित होकर सूर्य लोक को जाते हैं।

ब्रह्माजी कहते हैं कि हे नारद! कामिका एकादशी के व्रत का माहात्म्य श्रद्धा से सुनने और पढ़ने वाला मनुष्य सभी पापों से मुक्त होकर विष्णु लोक को जाता है। ब्रह्म हत्या तथा भ्रूण हत्या आदि पापों को नष्ट करने वाली इस कामिका एकादशी का व्रत मनुष्य को यत्न के साथ करना चाहिए।

क्यों महत्वपूर्ण है श्रावण मास...

हिन्दू धर्म में त्योहार तो बहुत हैं उसी तरह जैसे कि व्रत भी बहुत सारे बताए गए हैं। लेकिन जिस तरह त्योहारों में मकर संक्रांति और महाशिवरात्रि श्रेष्ठ मानी गई है उसी तरह व्रतों में एकादशी और श्रावण मास के व्रत सबसे महत्वपूर्ण माने गए हैं। श्रावण मास में उपाकर्म व्रत का महत्व ज्यादा है। इसे श्रावणी भी कहते हैं।

हिन्दुओं के आठ प्रमुख कर्तव्य है

संध्योपासन, व्रत, तीर्थ, उत्सव, सेवा, दान, यज्ञ, संस्कार। यहां श्रावण मास में व्रत रखना सबसे श्रेष्ठ माना गया है। यह पाप को मिटाने वाला और मनोकामना की पूर्ति करने वाला माह है। जिस तरह गुड फ्राइडे के पहले ईसाइयों में 40 दिन के उपवास चलते हैं और जिस तरह इस्लाम में रमजान माह में रोजे (उपवास) रखे जाते हैं उसी तरह हिन्दू धर्म में श्रावण मास को पवित्र और व्रत रखने वाला माह माना गया है। पूरे श्रावण माह में निराहारी या फलाहारी रहने की हिदायत दी गई है। इस माह में शास्त्र अनुसार ही व्रतों का पालन करना चाहिए। मन से या मनमानों व्रतों से दूर रहना चाहिए। उन त्योहार, पर्व या उत्सवों को मनाने का महत्व अधिक है जिनकी उत्पत्ति स्थानीय परंपरा, व्यक्ति विशेष या संस्कृति से न होकर जिनका उल्लेख वैदिक धर्मग्रंथ, धर्मसूत्र और आचार संहिता में मिलता है। ऐसे कुछ पर्व हैं और इनके मनाने के अपने नियम भी हैं। इन पर्वों में सूर्य-चंद्र की संक्रांतियों और कुंभ का अधिक महत्व है। हिन्दू धर्म के प्रमुख तीन देवताओं के पर्व को मनाया जाता है उनमें शिव के लिए महाशिवरात्रि और श्रावण मास प्रमुख हैं और उनकी पत्नी पार्वती के लिए चैत्र नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि प्रमुख त्योहार हैं। इसके अलावा शिव-पुत्र भगवान गणेश के लिए गणेश चतुर्थी का पर्व गणेशोत्सव के नाम से मनाया जाता है, जो भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को आता है। व्रत ही तप है। यही उपवास है। व्रत दो प्रकार के हैं। इन व्रतों को कैसे और कब किया जाए, इसका अलग नियम है। नियम से हटकर जो मनमाने व्रत या उपवास करते हैं उनका कोई धार्मिक महत्व नहीं। व्रत से जीवन में किसी भी प्रकार का रोग और शोक नहीं रहता। व्रत से ही मोक्ष प्राप्त किया जाता है। श्रावण माह को व्रत के लिए नियुक्त किया गया है।

सावन मास की अमावस्या और पूर्णिमा तिथि का बहुत महत्व होता है। श्रावण अमावस्या को हरियाली अमावस्या भी कहते हैं। श्रावण अमावस्या 8 अगस्त 2021 रविवार के दिन है। इस दिन व्यातीपात और वरियान योग साथ में पुष्य नक्षत्र रहेगा। आओ श्रावण अमावस्या के 10 सरल उपाय।

श्रावण अमावस्या के 10 सरल उपाय

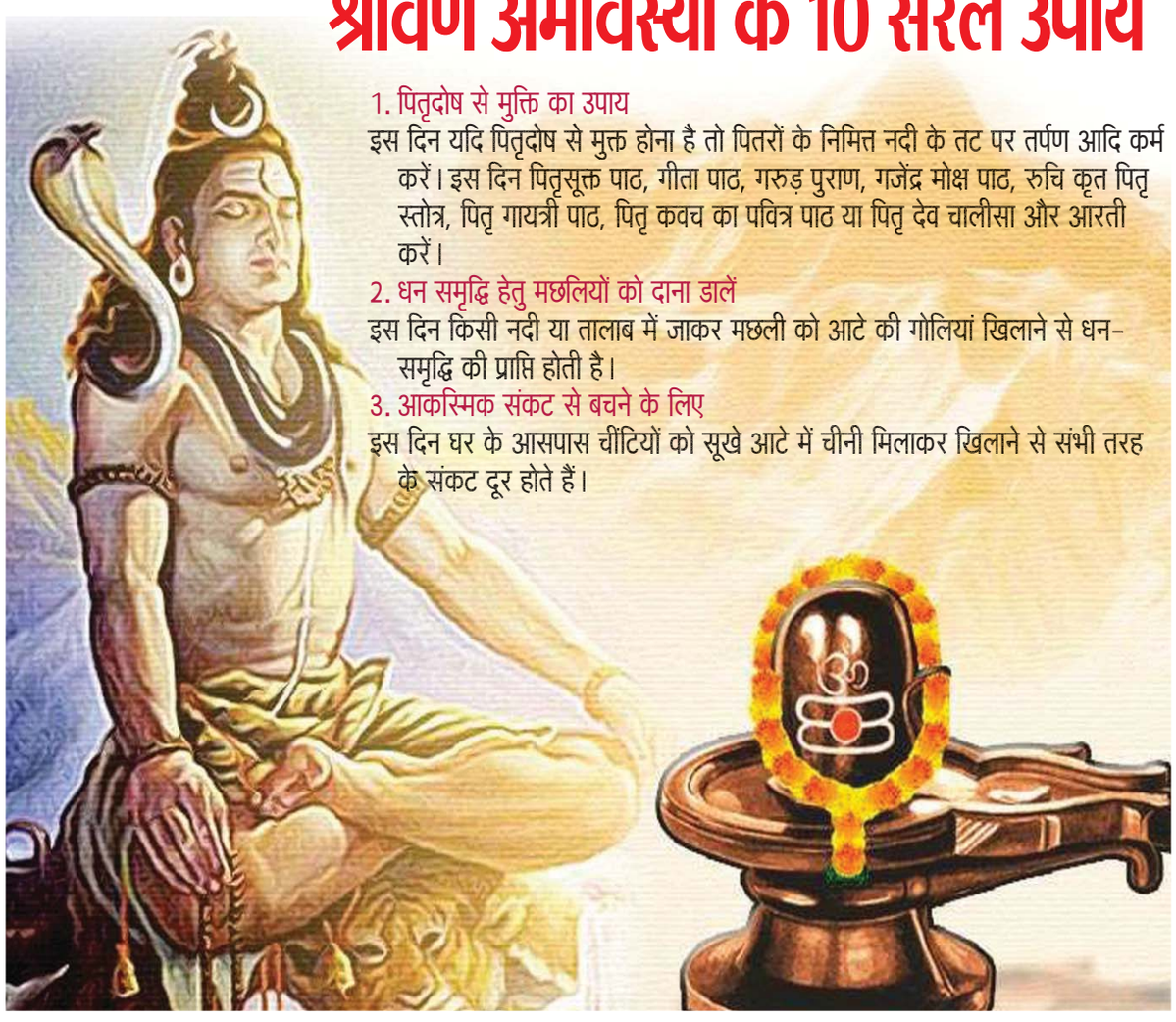

1. पितृदोष से मुक्ति का उपाय

इस दिन यदि पितृदोष से मुक्त होना है तो पितरों के निमित्त नदी के तट पर तर्पण आदि कर्म करें। इस दिन पितृसूक्त पाठ, गीता पाठ, गरुड़ पुराण, गजेंद्र मोक्ष पाठ, रुचि कृत पितृ स्तोत्र, पितृ गायत्री पाठ, पितृ कवच का पवित्र पाठ या पितृ देव चालीसा और आरती करें।

2. धन समृद्धि हेतु मछलियों को दाना डालें

इस दिन किसी नदी या तालाब में जाकर मछली को आटे की गोलियां खिलाने से धन-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

3. आकस्मिक संकट से बचने के लिए

इस दिन घर के आसपास चींटियों को सूखे आटे में चीनी मिलाकर खिलाने से संभी तरह के संकट दूर होते हैं।

4. पौधा रोपण करना शुभ

श्रावणी अमावस्या के दिन पौधा रोपड़ का बहुत महत्व होता है। इस दिन देववृक्ष पीपल, बरगद, केला, नींबू, तुलसी आदि का वृक्षारोपण करना शुभ माना जाता है।

5. बाधाओं से मुक्ति हेतु हनुमान पूजा

इस दिन सभी तरह की अला बला या उपरी बाधाओं से मुक्ति हेतु हनुमान मंदिर जाकर हनुमान चालीसा का पाठ करें और हनुमानजी को सिंदूर और चमेली का तेल चढ़ाएं।

6. दीपदान करें

इस दिन आटे के दीपक जलाकर नदी में प्रवाहित करने से पितृदेव और माता लक्ष्मी प्रसन्न होती है।

7. शनि दोष से मुक्ति हेतु

इस दिन शनिदेवजी के मंदिर में विधि अनुसार दीपक लगाने से वे प्रसन्न होते हैं और शनि पीड़ा से मुक्ति मिलती है।

8. सुख समृद्धि हेतु

इस अमावस्या की रात्रि में पूजा करते समय पूजा की थाली में स्वास्तिक या ? बनाकर और उसपर महालक्ष्मी यंत्र रखें फिर विधिवत पूजा अर्चना करें, ऐसा करने से घर में स्थिर लक्ष्मी का वास होगा और आपको सुख समृद्धि की प्राप्ति होगी।

9. गीता पाठ करें

इस अमावस्या के दिन श्रीविष्णु के मंत्रों का जाप और श्रीमद्भगवद्गीता का पाठ करें। इससे जीवन की सभी तरह की समस्याओं के अंत हो जाएगा।

10. मनोकामना पूर्ति हेतु

भगवान शिव को सफेद आंकड़े के फूल, बिल्व पत्र और भांग, धतूरा चढ़ाएं। इस दिन भगवान शिव की पूजा विशेष रूप से करना चाहिए। शिवजी के आशीर्वाद से सभी तरह की मनोकामनाएं पूर्ण होगी।

4 सोमवार के 4 श्रेष्ठ संयोग, शिव पूजा का मिलेगा कई गुना शुभ फल

श्रावण मास में इस बार चार सोमवार हैं....

सावन माह के पहले सोमवार को बन रहे हैं सबसे शुभ योग, जानिए विस्तार से

पहला सोमवार : 26 जुलाई को श्रावण मास का पहला सोमवार था। इस दिन धन प्रदाता धनिष्ठा नक्षत्र, सौभाग्य के बाद शोभन योग, वरियानऔर महाशुभ नामक औदायिक योग बना था। इस दिन के व्रत से आर्थिक लाभ का योग था।

दूसरा सोमवार : दो अगस्त को श्रावण मास का दूसरा सोमवार है। इस दिन कृतिका के बाद रोहिणी नक्षत्र, वृद्धि योग, गर करण और सुस्थिर नामक औदायिक योग है। चंद्रमा उच्चाभिलाषी है। इस दिन के व्रत से स्थिर लक्ष्मी की प्राप्ति एवं संतान पक्ष के अभ्युदय का योग मिलेगा।

तीसरा सोमवार : नौ अगस्त को श्रावण मास का तीसरा सोमवार है। इस दिन अश्लेषा के बाद मघा नक्षत्र, वरियान योग, किंस्तुघ्न करण और औदायिक योग सौम्य का मान है। इस दिन के व्रत से पुण्य की अभिवृद्धि और पूर्वाजित पापों का क्षय होगा।

चौथा सोमवार : 16 अगस्त को श्रावण मास का तीसरा सोमवार है। इस दिन अनुराधा नक्षत्र, ब्रह्म योग, वरियान और मानस नाम का औदायिक योग है। इस दिन के व्रत से समस्त मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। साथ ही मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

पाकिस्तान में कोविड-19 के 5000 से अधिक नए मामले, कुल संख्या 1,40,000 के पार पहुंची

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में रविवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 5,026 नए मामले आए जो बीते तीन महीनों में एक दिन में आए सर्वाधिक मामले हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय ने एक आधिकारिक सूचना में कहा कि पिछले 24 घंटों में संक्रमण से 62 लोगों की मौत हो गयी जिससे कोविड-19 से मरने वाले लोगों की संख्या 23,422 हो गयी है। संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 10,34,837 है। आखिरी बार 29 अप्रैल को संक्रमण के दैनिक मामलों की संख्या 5,000 के पार दर्ज की गयी थी। तब एक दिन में 5,113 मामले सामने आए थे। अभी कोरोना वायरस संक्रमण दर 8.82 प्रतिशत है। अभी तक 9,41,659 लोग इस बीमारी से पूरी तरह स्वस्थ हो चुके हैं। प्राधिकारियों ने बताया कि महामारी की चौथी लहर से निपटने के लिए टीकाकरण, नियमों का कार्यान्वयन और लॉकडाउन प्राथमिकता है। अभी तक देश में कोविड-19 रोधी टीकों की 2.96 करोड़ खुराक दी जा चुकी है।

अफगान संकट पर 11 अगस्त को बैठक करेंगे पाक, चीन समेत चार देशों के वरिष्ठ अधिकारी

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान को एक और गृहयुद्ध की चपेट में जाने से रोकने के प्रयासों के तहत पाकिस्तान, अमेरिका, रूस और चीन के वरिष्ठ अधिकारी 11 अगस्त को दोहा में बैठक करेंगे। यह जानकारी शनिवार को मीडिया की एक खबर से मिली। तथाकथित विस्तारित ट्रोइका की बैठक अमेरिका और नाटो बलों की अफगानिस्तान से वापसी की शुरुआत के बाद से युद्धग्रस्त देश में अफगान तालिबान द्वारा तेजी से पैठ बनाने की पृष्ठभूमि में हो रही है। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की खबर के अनुसार, इन चार प्रमुख देशों के विशेष प्रतिनिधि पिछली बार अप्रैल में दोहा, कतर में मिले थे और इनके पहले भी अघोषित सत्र हुए हैं।

अफगानिस्तान में दो वाहनों की जोरदार टक्कर, 20 लोगों की मौत; 18 घायल

काबुल। अफगानिस्तान के पूर्वी क्षेत्र में अलग-अलग दुर्घटनाओं में 20 लोगों की मौत हो गई और 18 अन्य घायल हो गए। एक प्रांतीय अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। आधिकारिक प्रवक्ता असदुल्ला दौलतजई ने बताया कि दोनों दुर्घटनाएं अफगानिस्तान की राजधानी काबुल और पूर्वी नंगरहार प्रांत को जोड़ने वाले मुख्य राजमार्ग पर लगमन प्रांत में हुईं। उन्होंने बताया कि करघई जिले में शनिवार सुबह दो वाहनों की टक्कर में 12 लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि शुक्रवार देर रात उसी इलाके में राजमार्ग पर एक मिनी बस और कार की टक्कर में आठ अन्य लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। दौलतजई ने कहा कि हताहतों में बच्चे भी शामिल हैं, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि कितने बच्चे हताहत हुए हैं। उन्होंने कहा कि घायलों को इलाज के लिए लगमन और नंगरहार प्रांत के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र मिशन ने परिसर पर हमले की जांच की मांग की

काबुल। अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएमए) ने रविवार को तालिबान से पूरी जांच करने और हेरात प्रांत में उसके परिसर पर हाल ही में हुए हमले के संबंध में जांच कराने की मांग की है। यूएनएएमए के अनुसार, जब तालिबान ने 30 जुलाई को हेरात में अफगान सुरक्षा बलों के साथ भीषण संघर्ष किया, तो शहर में संयुक्त राष्ट्र के मुख्य परिसर पर रॉकेट से चलने वाले हथगोले और गोलियों से हमला किया गया। मिशन ने कहा , तथाकथित सरकार विरोधी तत्वों ने रॉकेट से चलने वाले ग्रेनेड और गोलियों के साथ स्पष्ट रूप से चिह्नित संयुक्त राष्ट्र सुविधा के प्रवेश द्वारों को निशाना बनाया, जब तालिबान लड़ाके हेरात शहर में घुस गए और यूएनएएमए के प्रांतीय मुख्यालय के पास अफगान सुरक्षा बलों से भिड़ गए। मिशन ने ट्विटर पर लिखा कि जिस हमले में एक अफगान गार्ड की मौत हुई थी, उसके लिए अपराधियों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। तालिबान द्वारा बड़े पैमाने पर हमला करने और अफगान शहर पर कब्जा करने की कोशिश के बाद 28 जुलाई की शुरूआत से हेरात में भारी लड़ाई हो रही है। तालिबान को आगे बढ़ने से रोकने के लिए अफगान सुरक्षा बलों और स्थानीय सार्वजनिक विद्रोह बलों में शामिल होने के बाद रविवार को, शहर में लड़ाई फिर से शुरू हुई और चौथे दिन में प्रवेश किया।

कंबोडिया ने किशोरों के लिए कोविड टीकाकरण अभियान शुरू किया

नोम पेन्ह। कंबोडिया ने रविवार को चीनी सिनोवैक जैब का उपयोग करते हुए 12 से 17 वर्ष की आयु के किशोरों के लिए एक कोविड टीकाकरण अभियान शुरू किया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, प्रधान मंत्री हुन सेन और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने अपने पोते-पोतियों को राजधानी नोम पेन्ह के पीस पैलेस में एक टीकाकरण स्थल पर ले आएंगे। लॉन्च इवेंट में मीडिया को संबोधित करते हुए, हुन सेन ने कहा कि दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र में लगभग 20 लाख किशोर हैं। उन्होंने सभी माता-पिता और कानूनी अभिभावकों से अपने बच्चों का टीकाकरण कराने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बच्चों के लिए टीकाकरण आज झुंड प्रतिरक्षा हासिल करने के लिए एक और महत्वपूर्ण कदम है। कोविड -19 ने मानव संसाधन के विकास को गंभीर रूप से प्रभावित किया है, और लगभग सभी देशों ने स्कूल बंद कर दिए हैं। हुन सेन ने कहा कि किशोरों के लिए टीकाकरण राज्य के लिए फरवरी के अंत से बंद होने के बाद कम से कम माध्यमिक विद्यालयों से ऊपर के स्कूलों को फिर से खोलने का मार्ग प्रशस्त करेगा। प्रधान मंत्री ने कहा कि जीवन का अधिकार पहली प्राथमिकता है और सरकार द्वारा उठाए गए सभी कड़े कदम जीवन की रक्षा के लिए हैं।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष बना भारत, पाकिस्तान की बढ़ी टेंशन

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

भारत को एक अगस्त से एक महीने के लिये संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की अध्यक्षता मिलने से पहले पाकिस्तान ने शनिवार को उम्मीद जताई कि नयी दिल्ली अंतरराष्ट्रीय नियमों और कायदों का पालन करेगी। विदेश कार्यालय (एफओ) के प्रवक्ता ने अगस्त महीने के लिये भारत द्वारा संरा सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता संभाले जाने से जुड़े एक सवाल के जवाब में यह बयान दिया। विदेश कार्यालय ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि भारत सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता के दौरान प्रासंगिक नियमों और कायदों का अनुपालन करेगा।'

अगस्त में भारत को मिलने वाली अध्यक्षता 2021-22 के कार्यकाल के दौरान सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के तौर पर यह जिम्मेदारी निभाने का उसका पहला मौका होगा। सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के तौर पर भारत का दो साल का कार्यकाल एक जनवरी 2021 को शुरू हुआ है। भारत इसके बाद सुरक्षा परिषद में अपने दो वर्ष के कार्यकाल के आखिरी महीने, अगले साल दिसंबर, में फिर से सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता करेगा। इसकी अध्यक्षता के दौरान भारत तीन प्रमुख क्षेत्रों- नौवहन सुरक्षा, शांतिरक्षक और आतंकवादनिरोधी - में उच्च स्तरीय कार्यक्रमों का आयोजन करेगा। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टी एस तिरुमूर्ति ने संरा के 15

सदस्यीय इस शक्तिशाली निकाय की आवर्ती अध्यक्षता संभालने की पूर्व संध्या पर एक वीडियो संदेश में कहा कि भारत के लिये नौवहन सुरक्षा उच्च प्राथमिकता वाली है 'और सुरक्षा परिषद के लिये यह महत्वपूर्ण है कि वह इस पर समग्र रुख अपनाए।'

उन्होंने कहा कि शांतिरक्षक का विषय 'हमारे लंबे और नेतृत्वकारी जुड़ाव की वजह से दिल के करीब है'। उन्होंने कहा कि शांतिरक्षा के साथ भारत इस बात पर भी ध्यान केंद्रित करेगा कि शांतिरक्षकों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाए, विशेषरूप से बेहतर प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल के जरिये और कैसे शांतिरक्षकों के प्रति अपराध करने वालों को कानून के दायरे में लाया जाए। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में हमेशा अग्रिम मोर्चे पर रहने वाले देश के तौर पर भारत आतंकवाद निरोधी उपायों को भी केंद्र में रखेगा।

पाकिस्तान में आतंकी हमलों में दो सैनिक मारे गए, 9 बुरी तरह जख्मी

पेशावर। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के दक्षिण और उत्तरी वजीरिस्तान में सुरक्षा जांच चौकियों पर अज्ञात आतंकियों की गोलीबारी में कम से कम दो सैनिकों की मौत हो गयी और नौ अन्य घायल हो गए। मीडिया की एक खबर में रविवार को इस बारे में बताया गया। पहली घटना में, आतंकवादियों ने शनिवार को अफगानिस्तान सीमा के पास उत्तरी वजीरिस्तान जिले के शावाल इलाके में सुरक्षा बलों पर हमला किया। इसमें एक सैनिक की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। 'डॉन' अखबार ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि घायल सैनिकों को मिरामशाह के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सूत्रों ने कहा कि जब सुरक्षा बल तलाशी अभियान चला रहे थे तो इलाके में एक आईईडी में विस्फोट हो गया। अभियान में भाग लेने वाले कर्मी सुरक्षित हैं। दक्षिण वजीरिस्तान जिले के दो इलाकों में सुरक्षा बलों पर भी हमला हुआ, जिसमें एक जवान शहीद हो गया और सात अन्य घायल हो गए। खबरों के मुताबिक लाढा सब-डिवीजन के ओस्से पास इलाके में एक वाहन के पास आईईडी फट गया, जिसमें दो जवान घायल हो गए। आतंकवादियों ने लाढा में एक जांच चौकी पर गोलियां चलाईं, लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों ने शुक्रवार रात दक्षिण वजीरिस्तान के मुख्यालय वाना से करीब 30 किलोमीटर उत्तर में तिआर्जा में एक जांच चौकी पर हमला किया। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों ने जांच चौकी पर रॉकेट दागे। जिला पुलिस अधिकारी शौकत अली ने तिआर्जा में हमले की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि हमले में एक सैनिक की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए।

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री ने डॉन रेड्स के लिए प्रशांत समुदाय से माफी मांगी

वैलिंगटन (एजेंसी)।

न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जैसिंडा अर्डर्न ने रविवार को 1970 के दशक में डॉन रेड्स से प्रभावित प्रशांत समुदायों से औपचारिक रूप से माफी मांगी। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, साल 1974 और 1976 के बीच, कठोर आव्रजन नीतियों की एक श्रृंखला को अंजाम दिया गया था, जिसके कारण प्रशांत परिवारों के घरों पर छापे मारे गए थे। यह ठहरने वालों को खोजने, दोषी ठहराने और निर्वासित करने के लिए छापे अक्सर सुबह बहुत जल्दी या देर रात को होते थे। अर्डर्न ने ऑकलैंड के टाउन हॉल में कहा कि, आज मैंने सरकार की ओर से, आव्रजन कानूनों के भेदभावपूर्ण कार्यान्वयन के लिए प्रशांत समुदायों के लिए एक औपचारिक और अनारक्षित माफी की पेशकश की, जिसके कारण डॉन रेड्स छापे पड़े। उन्होंने कहा कि, पिछले कार्यों के लिए हमारे दुख, खेद और पश्चाताप व्यक्त करना सही काम है और बंद करने और सुलह का अवसर प्रदान करता है। पैसिफिक पीपुल्स मिनिस्टर ऑपिटो विलियम सियो ने कहा कि पीछे मुड़कर देखने पर यह स्पष्ट हो गया कि आव्रजन कानून भेदभावपूर्ण थे। विलियम सियो ने कहा कि, प्रशांत लोगों, माओरी और अन्य जातीय समुदायों को विशेष रूप से लक्षित और नस्लीय रूप से प्रोफाइल किया गया था, जो गलत था और ऐसा कभी नहीं होना चाहिए था।

ओमान तट के पास तेल टैंकर पर हुए ड्रोन हमले, इजराइली प्रधानमंत्री ने हमले के लिए ईरान को ठहराया जिम्मेदार

दुबई। (एजेंसी)।

इजराइल के प्रधानमंत्री ने ओमान तट के पास एक तेल टैंकर पर हुए ड्रोन हमले के लिए रविवार को प्रत्यक्ष तौर पर ईरान को जिम्मेदार ठहराया। हालांकि, ईरान ने इस हमले से इनकार किया है। इस हमले में चालक दल के दो सदस्य मारे गये थे। इजराइल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट और ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता सईद खातिबजादेह ने बृहस्पतिवार रात तेल टैंकर मर्सर स्ट्रीट पर हुए हमले के बाद यह टिप्पणी की है। इस क्षेत्र में वाणज्यिक जहाजों पर हमलों में विराम के कुछ वर्षों बाद यह पहला घातक हमला है। इसे परमाणु समझौते को लेकर ईरान के साथ तनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। किसी ने भी इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि, ईरान और उसके मिलिशिया सहयोगियों ने पूर्व में ऐसे तथाकथित ''आत्मघाती'' ड्रोन हमले किए हैं।

खातिबजाहेद ने रविवार को आरोपों को ''निराधार'' बताया। उन्होंने कहा, ''ऐसे आरोप-प्रत्यारोप नए नहीं हैं। इस हमले के लिए वे लोग जिम्मेदार हैं जिन्होंने इस क्षेत्र में इजराइली शासन को अपने पैर जमाने दिए। इसमें कुछ नया नहीं है कि अमेरिका में जानी पहचानी ईरान विरोधी लॉबी इस्लामिक देश के खिलाफ आरोप लगाने के किसी भी अवसर का इस्तेमाल करती है।'' यरुशलम में बेनेट ने एक साप्ताहिक कैबिनेट बैठक में इस हमले के लिए प्रत्यक्ष तौर पर ईरान को जिम्मेदार ठहराया।

अमेरिका का परमाणु ऊर्जा चालित विमानवाहक जहाज यूएसएस रोनाल्ड रीगन और गाइडेड मिसाइल विध्वंसक यूएसएस मित्स्चर, मर्सर स्ट्रीट को सुरक्षित बंदरगाह तक लेकर गये। अमेरिकी नौसेना ने शनिवार को यह जानकारी दी थी। उसने कहा कि नौसेना के विस्फोटक विशेषज्ञों का मानना है कि एक ड्रोन ने जहाज पर हमला किया। अमेरिका के एक अधिकारी ने बताया कि हमले की जांच चल रही है। मर्सर स्ट्रीट का प्रबंधन लंदन की जोडियाक मैरीटाइम कंपनी करती है और यह इजराइली अरबपति इयाल ओफेर के जोडियाक समूह का हिस्सा है। कंपनी ने कहा कि हमले में उसके चालक दल के दो सदस्यों की मौत हो गयी। एक सदस्य ब्रिटेन तथा दूसरा रोमानिया का था। हालांकि, उसने यह नहीं बताया कि हमले में क्या हुआ।

म्यांमार में 2023 की दूसरी छमाही में आम चुनाव होने की संभावना

नेपी ताव (एजेंसी)।

म्यांमार में 2023 की दूसरी छमाही में नए आम चुनाव होने की संभावना है। यह जानकारी नवगठित राज्य प्रशासन परिषद के अध्यक्ष, रक्षा सेवाओं के कमांडर-इन-चीफ सेन-जनरल मिन आंग हलिंग ने रविवार को दी है।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने राष्ट्र के नाम एक टेलीविजन संबोधन में मिन के हवाले से कहा कि, संविधान आपातकाल की स्थिति की अवधि के लिए सीमा बताता है। धारा 421 की उपधारा (बी) के अनुसार, अगर कोई आपातकालीन अवधि के एक वर्ष के भीतर कर्तव्यों को पूरा नहीं कर सकता है, तो यह निर्धारित अवधि के केवल दो विस्तार के लिए छह महीने की अवधि देता है। उन्होंने कहा, इस बीच, हमें वह काम करना है जो किया जाना चाहिए। फिर, हमें कानून के अनुसार चुनाव की तैयारी के लिए अगस्त 2023 तक छह महीने लगेंगे। मिन की घोषणा 27 जुलाई को म्यांमार सरकार द्वारा 2020 के आम चुनावों के परिणामों को रद्द करने की घोषणा के बाद हुई, जो कि अपदस्थ नेता आंग सान सू की की नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी (एनएलडी) पार्टी द्वारा जीते गए थे। इस घोषणा के

अनुसार, परिणाम रद्द कर दिए गए क्योंकि चुनाव कानूनों के अनुरूप और निष्पक्ष नहीं थे, जिससे 1 फरवरी के तख्तापलट के बहुत कारण थे। तब से, मिन ने राज्य की सत्ता संभाली है। रविवार को अपने संबोधन में, उन्होंने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए परिस्थितियां बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए बहुदलीय आम चुनाव बिना किसी असफलता के कराने का संकल्प लिया। हम निकट भविष्य में अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के लिए पिछले आम चुनावों के निष्कर्षों पर ब्रीफिंग करेंगे। उन्होंने एसोसिएशन ऑफ साउथईस्ट एशियन नेशंस के साथ काम करने का भी वादा किया। राज्य प्रशासन परिषद के एक आदेश के अनुसार, रविवार को भी एक संबंधित विकास में, देश ने म्यांमार के कार्यवाहक सरकार के गणराज्य का गठन किया। इस आदेश के तहत, नई कार्यवाहक सरकार के नेतृत्व में मिन प्रधानमंत्री और वाइस सेन-जनरल सो विन उनके उप के रूप में होंगे। कार्यवाहक सरकारी निकाय में केंद्रीय मंत्री, संघ के अटॉर्नी-जनरल और कार्यालय के स्थायी सचिव शामिल हैं।

अफगानिस्तान में यूएन ऑफिस पर तालिबान का हमला, सभी राजनयिक भवन अलर्ट पर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद से जिस बात का अंदेशा था वो अब सच होता दिख रहा है। अफगानिस्तान में यूनाइटेड नेशन के ऑफिस में तालिबान का हमला हुआ है। तालिबानी हमले में संयुक्त राष्ट्र के ऑफिस में तैनात गॉर्ड की मौत हो गई है। हेरात में अफगान जवानों और तालिबानी आतंकियों के बीच में गोलीबारी भी हुई है। तालिबान ने हेरात से कुछ ही दूर के इलाके में संयुक्त राष्ट्र के ऑफिस में गोलियां चलाई हैं। इसमें एक गार्ड के मारे जाने की खबर है। ये झड़पें हेरात प्रांत की राजधानी से लगभग 10 किलोमीटर दूर गुजरा जिले में हो रही थीं। अफगानिस्तान में अमेरिकी और नाटो सैनिकों की वापसी के बीच लड़ाई तेज हो गई है। पहले कभी लोगों को सुरक्षित करना होता था तो संयुक्त राष्ट्र के ऑफिस में भेज दिया जाता था। लेकिन अब वहां भी हमला हो जाने के बाद ये अंदाजा लगाना मुश्किल है कि महफूज कौन सी जगह को माना जाए।

यूएन कार्यालय पर हमले की गुतारेस ने निंदा की

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने अफगानिस्तान के हेरात में संयुक्त राष्ट्र के मुख्य परिसर पर हमले की कड़ी निंदा की और कहा विश्व संगठन के कर्मियों तथा परिसरों पर हमले अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत निषिद्ध हैं तथा इन्हें युद्ध अपराध माना जा सकता है।

मौके की ताक में चीन-पाकिस्तान

एक पुरानी कहावत है कि जब घर में आपस में लड़ाई होती है तो इसका फायदा पड़ोसियों को होता है। अफगानिस्तान के पड़ोसी के तौर पर पाकिस्तान और चीन इसी की ताक में बैठे हैं। हां, ये बात जरूर है कि अफगानिस्तान के पास भारत जैसे भी पड़ोसी देश हैं जो अफगानिस्तान में शांति बहाली की प्रक्रिया को मजबूत होने देना चाहते हैं। अफगान के लोगों का भविष्य अफगान के लोगों के हाथ में हो न कि पाकिस्तान की आर्मी या आईएसआई के हाथ में हो।

पाकिस्तान ने और अधिक अफगान शरणार्थियों को स्वीकार करने से किया इनकार

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तानी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) मोईद युसूफ ने कहा है कि उनका देश अब और अफगान शरणार्थियों को स्वीकार नहीं कर सकता है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय की जिम्मेदारी बनती है कि वह अफगानिस्तान के अंदर उनके लिए व्यवस्था करने के लिए कदम उठाए।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यूसुफ ने कहा कि अगर अफगानिस्तान में गृहयुद्ध छिड़ गया तो, इसके कारण शरण चाहने वालों को पाकिस्तान की ओर धकेला नहीं जाना चाहिए। एनएसए और पाकिस्तान की जासूसी एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के प्रमुख फैज हमीद ने अफगानिस्तान और द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा के लिए अमेरिका की यात्रा शुरू की है। हमीद ने जहां वाशिंगटन छोड़ दिया है, तो दूसरी ओर, यूसुफ अभी भी अमेरिका में है। तालिबान पर पाकिस्तान के संबंधों और प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर यूसुफ ने कहा कि उनके पास न्यूनतम लाभ है। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान का समूह पर प्रभाव होता तो वे उन्हें 1990 के दशक में बामयान प्रांत में बुद्ध की मूर्तियों को नष्ट करने से रोकते। इससे पहले, पाकिस्तान के प्रधान मंत्री इमरान खान ने कहा था कि देश पहले से ही लगभग 30 लाख अफगान शरणार्थियों की मेजबानी कर रहा है और इसमें और अधिक स्वीकार करने की क्षमता नहीं है। रिपोटरें में कहा गया है कि अफगानिस्तान के उत्तरी पड़ोसी ताजिकिस्तान ने 100,000 अफगान शरणार्थियों को स्वीकार करने की घोषणा की है, लेकिन लोगों को अनुमति देने के दौरान सतर्क रहने के लिए भी कहा है। साथ ही वह उन लोगों को शरण नहीं देगा जिन्होंने अमेरिका के साथ काम किया है। पाकिस्तानी अधिकारी मांग कर रहे हैं कि दुनिया अफगानिस्तान के अंदर शरणार्थियों के लिए व्यवस्था करे, इस डर के बीच कि तालिबान और सरकारी बलों के बीच लड़ाई तेज होने या गृहयुद्ध में बिगड़ने पर लाखों अफगान पड़ोसी देशों में भागने के लिए मजबूर हो सकते हैं। यूसुफ ने पहले वीओए साक्षात्कार के दौरान कहा था कि वास्तव में, हम और अधिक शरणार्थियों को स्वीकार करने की स्थिति में नहीं हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, लगभग 30 लाख अफगान

शरणार्थी, जिनमें से आधे गैर पंजीकृत हैं, 1979 में सोवियत संघ के अफगानिस्तान पर आक्रमण और बाद में हिंसा की लहरों और बाद में गृहयुद्ध के बाद से पाकिस्तान में रह रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री ने ब्रह्मलीन हरिप्रसाद स्वामी को पुष्पांजलि अर्पित की

क्रांति समय दैनिक

वडोदरा,मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, उप मुख्यमंत्री नितिनभाई पटेल और शिक्षा मंत्री भूपेन्द्रसिंह चूड़ास्मा ने रविवार को हरिधाम सोखड़ा स्थित योगी डिवाइन सोसायटी के परमाध्यक्ष और आत्मीय समाज आत्मीय यूनिवर्सिटी के प्रणेता ब्रह्मलीन हरिप्रसाद स्वामी जी की पार्थिव देह का दर्शन कर उनके चरणों में पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री स्वामी जी के अंतिम संस्कार के दौरान उपस्थित रहे। गुजरात की साढ़े छह करोड़ जनता की ओर से गुरुवर्य हरिप्रसाद स्वामी जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा कि स्वामी जी देह रूप में हमारे बीच नहीं है, लेकिन वे सदैव हमारी बीच ही रहेंगे। उन्होंने श्रद्धा व्यक्तकी कि स्वामी जी का आशीर्वाद हमेशा देश, गुजरात और सभी लोगों पर बरसता रहेगा। सामाजिक समरसता को बनाए रखने में भी स्वामी जी के महत्वपूर्ण योगदान का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी जी हमेशा कहते थे कि आत्मीय बनो। आत्मीय भाव से उन्होंने अनेक परिवारों एवं व्यक्तियों के संबंधों में मधुरता एवं सामंजस्य स्थापित कर परिवारों को टूटने से बचाया

है। आत्मा से आत्मा का भाव अनुभव करने पर ही परमात्मा प्राप्त होते हैं। उन्होंने कहा कि स्वामी जी हमेशा इस बात की चिंता करते थे कि गुजरात का भला हो और गुजरात सुखी एवं संपन्न बने। उनके निधन से गुजरात को अपूरणीय क्षति पहुंची है। गुजरात ने बहुत बड़े संत पुरुष को खो दिया है। स्वामी जी के चरणों में वंदन करते हुए उन्होंने कहा कि गुजरात उन्हें हमेशा याद रखेगा और उनके बताए मार्ग पर चलेगा। रूपाणी ने कहा कि स्वामी जी हमेशा कहते थे कि दास का दास बनकर रहें। युवाओं के लिए प्रेरणामूर्ति थे। स्वामी जी आज हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनके विचार और समाज सेवा के कार्य हमारे बीच हैं। हम उनके बताए मार्ग पर चलेंगे तो उनके स्वप्नों और आकांक्षाओं को निश्चित रूप से पूरा कर सकेंगे और यही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि जब-जब गुजरात पर आपदा आई है, तब उन्होंने हमेशा ही नागरिकों की मदद की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं में व्यसन मुक्ति शिक्षा प्रणाली के प्रचार-प्रसार के साथ आध्यात्मिकता और समाज के लिए समर्पित होने का सेवा भाव उजागर करने में पूज्य हरिप्रसाद स्वामी ने आजीवन सेवारत रहते हुए जो अमूल्य योगदान दिया है वह सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

स्वामी जी के देह विलय और परमधाम गमन से लाखों शोकमग्न अनुयायियों के दु:ख में सहभागी बनते हुए मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने स्वामी जी की आत्मा की परम शांति की प्रार्थना भी की। इस अवसर पर हरिधाम सोखड़ा के संत, अनुपम मिशन मोगरी के पू. जशभाई साहेब और देश-विदेश के हरिभक्तों ने गुरु हरिप्रसाद स्वामी जी के अंतिम दर्शन कर भावांजलि दी।

भाजपा के सुशासन सप्ताह का विरोध कर रहे विपक्ष के नेता परेश धानामी समेत कई हिरासत में

क्रांति समय दैनिक

राजकोट,गुजरात की भाजपा सरकार के ज्ञान शक्ति दिवस का विरोध कर रहे विपक्ष के नेता परेश धानाणी समेत कांग्रेस नेता और कार्यकर्ताओं को राजकोट की यूनिवर्सिटी पुलिसने हिरासत में ले लिया। दरअसल मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के पांच साल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राज्यभर में आज से 9 अगस्त तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। इसके अंतर्गत रविवार को राज्यभर में ज्ञान शक्तिदिवस मनाया जा रहा है। भाजपा सरकार के कार्यक्रम का विरोध करते हुए कांग्रेस ने शिक्षा बचाओ अभियान की शुरुआत की है और रविवार

को सौराष्ट्र यूनिवर्सिटी पर प्रदर्शन का आयोजन किया था। जिसमें गुजरात विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष परेश धानानी, महिला कांग्रेस प्रमुख गायत्री बा वाघेला, राजकोट शहर कांग्रेस के नेता और एनएसयूआई के कार्यकर्ता शामिल हुए। कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए पहले बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया था। कार्यक्रम की शुरुआत से पहले ही पुलिस ने परेश धानाणी समेत कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। परेश धानानी ने कहा कि भाजपा की जन विरोध नीतियों के कारण मंदी और महंगाई बढ़ी है।

सरकार गरीबों को अनाज देने के नाम पर उनका मजाक बना रही है। धानानी ने कहा कि भाजपा सरकार गरीबी खत्म करने की केवल बातें करती है।

पश्चिम रेलवे ने अपने कलाकारों को उनकी प्रतिभा के प्रदर्शन के लिए प्रदान किया शानदार मंच

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद,कलात्मक प्रदर्शन हमारे जीवन को समृद्ध बनाता है और जीवन को एक अलग दृष्टिकोण प्रदान करता है। इसी क्रम में हाल ही में वेस्टर्न रेलवे फाइन आर्ट्स एंड कल्चरल एसोसिएशन द्वारा एक हिंदी नाटक च्सब गोलमाल हैज् का मंचन किया गया। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक आलोक कंसल इस अवसर पर मुख्य अतिथि और

पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती तनुजा कंसल इस कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस नाट्य प्रदर्शन कार्यक्रम का उद्घाटन सम्माननीय अतिथियों द्वारा सरस्वती वंदना की मधुर धुन के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

सार-समाचार

ट्रक के पीछे घुसा ट्रेलर, ड्राइवर और क्लीनर हुए घायल, ड्राइवर की हालत गंभीर

वडोदरा,वडोदरा के फर्टीलाइजर ब्रिज के निकट आज सुबह एक ट्रेलर आगे चल रहे ट्रक के पीछे धमाके के साथ घुस गया। इस हादसे में ट्रेलर के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए और उसका ड्राइवर और क्लीनर घायल हो गए। फायर ब्रिगेड की टीम ने ट्रेलर के कैबिन में फंसे ड्राइवर और क्लीनर को बाहर निकाल अस्पताल पहुंचाया। ट्रेलर के ड्राइवर की हालत गंभीर बताई गई है। जानकारी के मुताबिक वडोदरा के फर्टीलाइजर ब्रिज के निकट से सुबह करीब 6 बजे अहमदाबाद से सूरत की जा रहा ट्रेलर आगे चल रहे ट्रक के पीछे तेज धमाके के साथ टकरा गया। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि ट्रेलर के अगले हिस्से के चीथड़े उड़ गए। हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए और ट्रेलर में फंसे ड्राइवर व क्लीनर को निकालने का प्रयास करने लगे। लेकिन लोगों को सफलता नहीं मिली। खबर मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई और ड्राइवर व क्लीनर को बाहर निकाल एम्ब्युलैंस 108 के जरिए वडोदरा के सयाजी अस्पताल भेज दिया। हादसे के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया। खबर लगते ही वडोदरा की छाणी पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और ट्रैफिक क्लीयर करवाया। प्राथमिक जांच में पता चला कि 45 वर्षीय ट्रेलर चालक का नाम दिलावर शेख है और वह अहमदाबाद से सूरत जा रहा था। उस वक्त फर्टीलाइजर ब्रिज से नीचे उतरते समय आगे चल रहे ट्रक के पीछे जा घुसा। इस दुर्घटना में घायल ट्रेलर चालक की हालत गंभीर बताई गई है।

ट्रक की चपेट में आई युवती का चमत्कारिक बचाव

वलसाड, 'जाको राखे सांइया मार सके न कोय' कहावत को चरितार्थ करने वाली घटना वलसाड के धरमपुर से सामने आई है। इस घटना में एक्टिवा सवार एक युवती ट्रक की चपेट में आ गई है। एक्टिवा ट्रक में घुस गया, लेकिन युवती की जान बच गई। हांलाकि चोटिल पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

वलसाड जिले के धरमपुर हाईवे से एक युवती एक्टिवा पर गुजर रही थी। उस वक्त तेज रफ्तार में आए ट्रक ने एक्टिवा को टक्कर मार दी। ट्रक की टक्कर से युवती उछल कर सड़क किनारे जा गिरी और उसका एक्टिवा ट्रक के नीचे घुस गया।

इस हादसे में घायल युवती को एम्ब्युलैंस 108 के जरिए धरमपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पूरी घटना निकट के पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विपक्षी दलों पर अमित शाह का निशाना, कहा- चुनाव आने के बाद सक्रिय होने वाले नेताओं की सबसे ज्यादा संख्या यूपी में

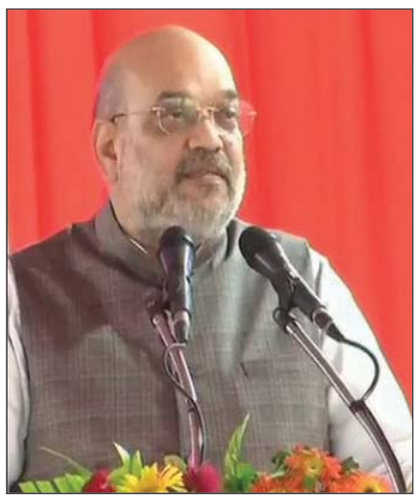

लखनऊ। (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव आने के बाद सक्रिय होने वाले नेताओं की सबसे ज्यादा संख्या उत्तर प्रदेश में है। उत्तर प्रदेश के दो दिवसीय दौरे पर आए शाह ने राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर यह बात कही। पूर्ववर्ती सरकारों से तुलना करते हुए उन्होंने कहा, आज मैं गर्व के साथ कह सकता हूं कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी टीम ने दंगाग्रस्त उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था का राज स्थापित किया है। गृह मंत्री ने रविवार को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के पिपरसंड, सरोजनी नगर में उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज की आधारशिला रखने के बाद आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा, अखबारों को पढ़ता रहता हूं, रोज बयान आते हैं और चुनाव आने के बाद सक्रिय होने वाले नेताओं की सबसे ज्यादा संख्या उत्तर प्रदेश में है।

राज्य में अगले वर्ष की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होना है। शाह ने विपक्षी दलों के नेताओं खासतौर से समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव को निशाना बनाते हुए कहा, बाढ़ आने पर, कोरोना के संकट के वक्त, किसानों के भूख से मरने पर ये लोग दिखाई नहीं पड़ते। जब किसानों के कर्ज माफ करने थे तो आप मौज-मस्ती में व्यस्त थे लेकिन चुनाव नजदीक आएगा तब आप जरूर दिखेंगे। उन्होंने कहा, परिवारवाद को उखाड़ फेंकने का काम भारतीय जनता पार्टी ने किया है और उप्र की जनता से निवेदन है कि चहुंमुखी विकास को देखिए और उसका समर्थन करिए।

पूर्ववर्ती सपा सरकार की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, पहले पश्चिम से लोग घर छोड़कर भाग रहे थे, महिलाएं असुरक्षित थी, दिनदहाड़े गोलियां चलती थीं लेकिन 2017 में भाजपा ने एक वादा किया था कि उप्र को कानून-व्यवस्था की दृष्टि से ठीक बनाएंगे और विकसित राज्य बनाएंगे और आज 2021 में गर्व के साथ कह सकता हूं कि योगी आदित्यनाथ और उनकी टीम ने दंगाग्रस्त उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था का राज स्थापित किया है।'' उन्होंने दावा किया, विकास की 44 योजनाओं में देश में उप्र सबसे आगे हैं। योगी और उनकी टीम ने देश की 44 योजनाओं में सर्वप्रथम स्थान प्राप्त किया है। उप्र ने हर क्षेत्र में विकास किया है, चाहे औद्योगिक निवेश की बात हो, चाहे कानून व्यवस्था ठीक करने की बात हो, गरीब किसान के खाते में धन देने की, शौचालय बनाने की, सिलेंडर देने या बिजली पहुंचाने या भ्रष्टाचार को खत्म कर भ्रष्टाचारियों में भय पैदा करने की बात हो, हर क्षेत्र में योगी के नेतृत्व में उत्कृष्ट कार्य किया गया है।

सार समाचार

कर्नाटक मंत्रिमंडल का विस्तार जल्द : बोम्मई

बेंगलुरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने शनिवार को यहां कहा कि मंत्रिमंडल विस्तार पर जल्द ही फैसला लिया जाएगा। उन्होंने शनिवार को कहा, मैं इस संबंध में सोमवार को आलाकमान से फोन आने की उम्मीद कर रहा हूं। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने इस संबंध में केंद्रीय नेताओं को कोई सूची नहीं दी है और कैबिनेट पदों के लिए पैरवी करने का कोई सवाल ही नहीं है, उन्होंने रेखांकित किया। उन्होंने कहा, मैंने पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ इस मामले पर चर्चा की है और मैं उनके संकेत का इंतजार कर रहा हूं। इस बीच, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा है कि मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई पहले ही इस मामले पर आलाकमान से चर्चा कर चुके हैं और दो या तीन दिनों में मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा।

कोरोना काल में दिवंगत पत्रकारों के परिजनों को मुख्यमंत्री ने दी 10 लाख की आर्थिक सहायता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कोरोना संक्रमित होकर दिवंगत हुए पत्रकारों के परिजनों परिजनों को रुपये 10-10 लाख की सहायता राशि दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर उस परिवार के साथ खड़ी है, जिसने इस आपदाकाल में अपनों को खोया है। लोकभवन सभागार में आयोजित भावपूर्ण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने दिवंगत मीडियाकर्मियों के परिजनों को सहायता राशि का चेक सौंपा। इस विशेष कार्यक्रम में नेशनल ब्रॉडकास्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार रजत शर्मा बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हम सबके लिए यह एक ऐसा क्षण है जब मीडिया जगह से जुड़े हुए उन सभी दिवंगत आत्माओं के प्रति जिन्होंने कोरोना कालखंड में समाज के लिए अपनी लेखनी को चलाते-चलाते अपने प्राणों की आहुति दी है, उन सबके प्रति हम अपनी संवेदना व्यक्त कर सकें, श्रद्धांजलि व्यक्त कर सकें और परिवारजनों के प्रति एक संबल बन सकें।

जम्मू-कश्मीर सरकार की बड़ी कार्रवाई! अब पत्थरबाजों को पासपोर्ट और सरकारी नौकरी के लिए नहीं मिलेगी क्लीयरेंस

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर सरकार ने रविवार को देशद्रोही और पथराव करने वालों पर एक बड़ी कार्रवाई करते हुए, पासपोर्ट मंजूरी पर रोक लगाने, सरकारी नौकरियों का कोई प्रावधान नहीं करने, अन्य प्रतिबंधों के आदेश जारी किए है। एक मीडिया चैनल के सूत्रों के मुताबिक,शीर्ष सरकारी अधिकारियों ने सूचित किया कि सीआईडी की विशेष शाखा कश्मीर ने सभी इकाइयों को कानून और व्यवस्था के खतरे, पथराव और राज्य की सुरक्षा के लिए हानिकारक अन्य अपराधों में शामिल लोगों को सुरक्षा मंजूरी देने से इनकार करने का निर्देश दिया है। बता दें कि, सभी डिजिटल सबतों और पुलिस रिकॉर्ड को ध्यान में रखा जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, प्रशासन उन लोगों को पासपोर्ट और वीजा क्लीयरेंस पर रोक लगाने पर विचार कर रहा है, जिनका 'भारत विरोधी' गतिविधियों में शामिल होने का पिछला ट्रैक रिकॉर्ड है।

उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता संबंधी सड़क दुर्घटना मामला : कोर्ट ने सीबीआई की जांच को सही माना

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की जांच के उस परिणाम को बरकरार रखा है जिसमें उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता संबंधी 2019 सड़क हादसा मामले में किसी भी तरह की साजिश से इनकार किया गया है। उल्लेखनीय है कि 2019 में दुष्कर्म पीड़िता, उसके परिवार के सदस्य और वकील एक कार में सवार थे, तभी रायबरेली में तेज गति से आ रहे एक ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी, जिसमें उसके दो रिश्तेदारों की मौत हो गयी और वह तथा उसका वकील गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के निष्कासित विधायक कुलदीप सिंह सेंगर और नौ अन्य के खिलाफ हत्या का एक मामला दर्ज किया गया था। पीड़िता के परिवार ने दुर्घटना के पीछे ''साजिश'' का आरोप लगाते हुए एक शिकायत दर्ज करायी थी।

मप्र में सत्ता और संगठन में नियुक्तियों को लेकर मंथन

भोपाल। मध्यप्रदेश में राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर सत्ता और संगठन के बीच मंथन तेज हो गया है। अब मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा नामों को अंतिम रूप देने में लगे हैं। संभावना जताई जा रही है कि जल्दी ही संगठन में रिक्त पदों के अलावा निगम-मंडलों में नियुक्तियां कर दी जाएंगी। राज्य में भाजपा को सत्ता में आए हुए 15 महीने से ज्यादा का वक्त गुजर गया है मगर निगम मंडलों में नियुक्तियों का मसला अब भी अधर में लटका हुआ है। इसकी बड़ी वजह तमाम नेताओं से नाता रखने वाले उनके समर्थकों को स्थान दिए जाने का है। राज्य में भाजपा की सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थकों को भी निगम-मंडलों में स्थान दिया जाना है, वही संगठन में रिक्त प्रवक्ता और मीडिया पैनलिस्ट के पदों पर भी नियुक्ति होना बाकी है। संगठन में बहुसंख्यक पदों पर पदाधिकारियों की तैनाती की जा चुकी है तो वही सत्ता में हिस्सेदारी चाहने वाले अब भी इंतजार में है। ज्योतिरादित्य सिंधिया से नाता रखने वाले चार नेता जो विधानसभा का उपचुनाव हार गए हैं।

मणिपुर के पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष गोविनदास कोंथूजाम ने थामा भाजपा का दामन

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस की मणिपुर इकाई के पूर्व अध्यक्ष गोविनदास कोंथूजाम ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया। राजधानी स्थित भाजपा मुख्यालय में मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह, राज्य के केंद्रीय प्रभारी संबित पात्रा और राज्यसभा सदस्य व पार्टी के मीडिया विभाग के प्रभारी अनिल बलूनी की मौजूदगी में कोंथूजाम को भाजपा की सदस्यता दिलाई गई। इस अवसर पर बलूनी ने कहा, ''हम भाजपा परिवार में उनका स्वागत करते हैं।''

पात्रा ने कहा कि कोंथूजाम न सिर्फ मणिपुर, बल्कि समूचे पूर्वोत्तर का एक जाना-माना चेहरा हैं और उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काम से प्रभावित होकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। उन्होंने कहा, ''यह प्रधानमंत्री मोदी के विकास कार्यों पर मुहर है।'' मुख्यमंत्री बिरेन सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के कामकाज से मणिपुर की जनता बहुत प्रभावित है तथा वह भाजपा से जुड़ना चाहती है। कोंथूजाम ने इस अवसर पर कहा, ''पार्टी के लिए मैं पूरे मन से काम करूंगा और पार्टी का जो भी आदेश होगा, उसके अनुसार काम करूंगा। अगले साल विधानसभा चुनाव में भाजपा को पूर्ण बहुमत दिलाकर सत्ता में वापसी के लिए दिल लगाकर काम करूंगा। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों कोंथूजाम ने निजी कारणों का हवाला देते हुए मणिपुर कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था।

पेगासस मुद्दा: जासूसी के दावों की जांच की मांग वाली याचिकाओं पर 5 अगस्त को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

उच्चतम न्यायालय पेगासस मामले की मौजूदा या सेवानिवृत्त न्यायाधीश द्वारा स्वतंत्र जांच कराने के अनुरोध वाली याचिकाओं पर पांच अगस्त को सुनवाई करेगा। इसमें वरिष्ठ पत्रकार एन राम और शशि कुमार की याचिका भी शामिल है। शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर अपलोड की गई वाद सूची के अनुसार प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण और न्यायमूर्ति सूर्यकांत की पीठ पांच अगस्त को तीन अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई करेगी, जिसमें सरकारी एजेंसियों द्वारा विशिष्ट नागरिकों, नेताओं और पत्रकारों की इजराइली स्पाइवेयर पेगासस के जरिए कथित जासूसी की खबरों के संबंध में जांच कराने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। शीर्ष अदालत ने 30 जुलाई को कहा था कि वह इस मामले में राम और कुमार की याचिका पर अगले सप्ताह सुनवाई करेगी। पत्रकारों की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने पिछले हफ्ते अदालत से कहा था कि याचिका के व्यापक असर को देखते हुए इस पर तत्काल सुनवाई की जरूरत है।

याचिका में कहा गया है कि कथित जासूसी भारत में विरोध की स्वतंत्र अभिव्यक्ति को दबाने और हतोत्साहित करने के एजेंसियों एवं संगठनों के प्रयास की बानगी है। याचिका में कहा गया है कि यदि सरकार

या उसकी किसी भी एजेंसी ने पेगासस स्पाइवेयर का लाइसेंस लिया, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तरीके से इसका इस्तेमाल किया और यदि किसी भी तरह की निगरानी रखी गई है तो केंद्र को इस बारे में खुलासा करने का निर्देश दिया जाए। याचिका में कहा गया कि यह मुद्दा नागरिकों की स्वतंत्रता को प्रभावित करने वाला है और विपक्षी नेताओं, पत्रकारों यहां तक की अदालत कर्मियों को भी निगरानी में रखा गया। राम और कुमार द्वारा दाखिल याचिका के अलावा, इस मुद्दे पर दो अलग-अलग याचिकाएं अधिवक्ता एमएल शर्मा और जॉन ब्रिटास द्वारा शीर्ष अदालत में दायर की गई हैं।

शर्मा ने अपनी याचिका में कथित जासूसी की खबरों के संबंध में विशेष जांच दल (एसआईटी) से अदालत की निगरानी में जांच कराने का अनुरोध किया है। गौरतलब है कि एक अंतरराष्ट्रीय मीडिया संघ ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि 300 से अधिक सत्यापित भारतीय मोबाइल फोन नंबरों को इजराइल के पेगासस स्पाइवेयर के जरिए निगरानी के लिए संभावित लक्ष्यों की सूची में रखा गया। दोनों पत्रकारों द्वारा दाखिल याचिका में कहा गया, ''सैन्य-ग्रेड स्पाइवेयर के जरिए निगरानी करना निजता के अधिकार का उल्लंघन है जिसे उच्चतम न्यायालय द्वारा अनुच्छेद 14 (कानून के समक्ष समानता), अनुच्छेद 19 (वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) और अनुच्छेद 21 (जीवन की सुरक्षा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता) के तहत मौलिक अधिकार माना गया है।

64 प्रतिशत चुनावी वादे पूरे किए : राजस्थान के मुख्यमंत्री

जयपुर (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ के गृह मंत्री और कांग्रेस घोषणापत्र कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष ताम्रध्वज साहू और सांसद अमर सिंह कांग्रेस आलाकमान द्वारा दिए गए निदेशों के अनुसार राजस्थान कांग्रेस के घोषणापत्र में किए गए वादों की स्थिति का मूल्यांकन करने के लिए शनिवार को जयपुर में थे।

घोषणापत्र क्रियान्वयन समिति की बैठक शनिवार को मुख्यमंत्री आवास पर हुई जहां अशोक गहलोत ने कहा कि किए गए वादों में से 64 फीसदी पूरे हो चुके हैं। उन्होंने कहा, कुल 501 में से 321 वादे पूरे किए गए। साहू ने गहलोत के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा की गई प्रगति पर भी संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि घोषणा पत्र में किए गए वादों को पूरा करने के लिए जिस तेजी से प्रयास किए जा रहे हैं वह काबिले तारीफ है। उन्होंने कहा कि इससे न केवल समाज के सभी वर्गों को राहत मिलेगी, बल्कि राजस्थान का समग्र विकास भी होगा। डॉ अमर सिंह ने कहा कि राजस्थान सरकार द्वारा गांवों,

गरीबों, किसानों, युवाओं, महिलाओं और अन्य जरूरतमंद वर्गों के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों और योजनाओं ने अन्य राज्यों के लिए भी एक मिसाल कायम की है। उन्होंने राज्य सरकार की उपलब्धियों से लोगों को अवगत कराने के लिए विशेष प्रयास करने पर जोर दिया। ताम्रध्वज साहू की अध्यक्षता वाली समिति की यह दूसरी बैठक है, पहली बैठक पिछले साल 25 सितंबर को हुई थी। इस बीच जयपुर पहुंचकर साहू ने मीडिया से कहा कि वह सोनिया गांधी के आदेश पर पिंक सिटी में घोषणापत्र क्रियान्वयन समिति की बैठक की अध्यक्षता करने आए थे। उन्होंने कहा, कांग्रेस के घोषणापत्र पर राजस्थान सरकार द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा करेंगे। समीक्षा के बाद आलाकमान को रिपोर्ट करेंगे। घोषणापत्र कार्यान्वयन समिति का गठन पिछले साल जनवरी में सोनिया गांधी ने किया था। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दो नेताओं के आने से पहले ट्वीट किया, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा गठित घोषणापत्र समिति के अध्यक्ष ताम्रध्वज साहू और सांसद अमर सिंह जयपुर आएंगे और घोषणापत्र के क्रियान्वयन को लेकर दूसरी समीक्षा बैठक करेंगे। पिछले साल 25 सितंबर को भी घोषणा पत्र के क्रियान्वयन की स्थिति जानने के लिए एक समीक्षा बैठक बुलाई गई थी। पहले की तरह हमारी सरकार ने चुनावी घोषणा पत्र को नीति दस्तावेज बनाकर काम किया है। मुझे खुशी है कि हम सबसे अधिक पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। 28 जुलाई को जब कांग्रेस प्रभारी अजय माकन कांग्रेस विधायकों के साथ आमने-सामने बातचीत करने जयपुर आए थे, तो गहलोत ने अब तक की घोषणाओं पर किए गए कार्यों की समीक्षा के लिए सभी मंत्रियों और अधिकारियों से मुलाकात की। सरकार गठन के बाद बुलाई गई पहली कैबिनेट बैठक में कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र को आधिकारिक नीति दस्तावेज घोषित किया था।

सरकार का दावा- 80प्र. कम हो गए ट्रिपल तलाक के केस, ओवैसी बोले- मुसलमानों को कबूल नहीं यह कानून

नई दिल्ली (एजेंसी)।

तलाक, तालक, तलाक...और रिश्ता खत्म। इस सामाजिक बुराई के खिलाफ कानून बने आज दो साल पूरे हो चुके हैं। कानून को पूरी तरह प्रभावी बताते हुए मोदी सरकार ने कहा है कि ट्रिपल तलाक के मामलों में 80 फीसदी की कमी आ गई है और मुस्लिम महिलाओं को इसका फायदा हुआ है। वहीं, ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि मुसलमानों को यह कानून मंजूर नहीं है और इससे महिलाओं की मुसीबतों में इजाफा ही होगा। राष्ट्रीय राजधानी में एक कार्यक्रम में अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनो वादों को पूरा किया। अयोध्या में राममंदिर का मुद्दा सुलझ गया। अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी करके जम्मू-कश्मीर के लोगों को फायदा पहुंचाया गया। मरहम कानून खत्म किया गया, जिससे 3500 मुस्लिम महिलाएं बिना मरहम के हज पर गईं।'

नकवी ने कहा कि ट्रिपल तलाक पर कानून प्रभावी (1 अगस्त 2019) होने के बाद ट्रिपल तलाक के 80 फीसदी केस कम हो गए हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में इस कानून से पहले

63,000 केस दर्ज किए गए थे, लेकिन कानून लागू किए जाने के बाद इनकी संख्या गिरकर 221 रह गई। नकवी ने कहा कि बिहार में भी केवल 49 मामले सामने आए हैं।

ओवैसी बोले- बढ़ेंगी महिलाओं की दिक्कतें

एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी ने एएनआई से बातचीत में कहा, 'यह कानून (ट्रिपल तलाक) असंवैधानिक है और सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जा चुकी है। यह समानता के खिलाफ है और मुसलमानों को बुरा बताने वाला है। क्या मोदी सरकार केवल मुस्लिम महिला (अधिकार) दिवस मनाएगी? हिंदू, दलित और ओबीसी महिलाओं की सशक्तिकरण का क्या?' ओवैसी ने कहा कि इस कानून की वजह से मुस्लिम महिलाओं का और अधिक उत्पीड़न होगा और उनकी दिक्कतें बढ़ेंगी। केवल केस दर्ज किए जाएंगे, कोई न्याय नहीं होगा। जमीन पर मुसलमानों ने इसे स्वीकार नहीं किया है।

2 साल में 24 हजार से अधिक बच्चों ने की आत्महत्या, कारण जान हो जाएंगे हैरान

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 14-18 वर्ष के आयु वर्ग के 24,000 से अधिक बच्चों ने 2017 से लेकर 2019 तक यानी दो वर्षों में आत्महत्या कर ली है। इनमें परीक्षा में असफल होने के कारण 4,000 से अधिक ऐसे मामले सामने आए हैं। बच्चों की आत्महत्या पर राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने हाल ही में संसद में डाटा प्रस्तुत किया है।

आंकड़ों के मुताबिक 2017-19 के बीच आत्महत्या से 14-18 साल की 13,325 लड़कियों सहित 24,568 बच्चों की मौत हुई। 2017 में, 14-18 वर्ष के आयु वर्ग के 8,029 बच्चों की आत्महत्या से मृत्यु हो गई। 2018 में यह संख्या बढ़कर 8,162 हो गई और फिर 2019 में बढ़कर 8,377 हो गई।

इस आयु वर्ग के बच्चों में आत्महत्या से होने वाली मौतों की सबसे अधिक संख्या 3,115 मध्य प्रदेश में, इसके बाद पश्चिम बंगाल में 2,802, महाराष्ट्र में 2,527 और तमिलनाडु में 2,035 दर्ज की गई।

परीक्षा में फेल होने की वजह से आत्महत्या करने वालों की संख्या सर्वाधिक

आंकड़ों के मुताबिक 4,046 बच्चों की आत्महत्या के

पीछे परीक्षा में फेल होने को कारण बताया गया। वहीं, 411 लड़कियों समेत 639 बच्चों की आत्महत्या के पीछे शादी से जुड़ा मामला बताया गया। करीब 3,315 बच्चों ने प्रेम प्रसंग से जुड़े कारणों से आत्महत्या कर ली, जबकि 2,567 बच्चों की आत्महत्या के पीछे बीमारी को कारण बताया गया है। 81 बच्चों की मौत का कारण शारीरिक शोषण बताया गया।

कोविड़-19 महामारी के कारण स्थिति के बिगड़ने की संभावना की चेतावनी देते हुए बाल अधिकार कार्यकर्ताओं ने स्कूली पाठ्यक्रम में जीवन कौशल प्रशिक्षण को शामिल करने और मानसिक स्वास्थ्य को मुख्यधारा के स्वास्थ्य और कल्याण एजेंडे का हिस्सा बनाने पर जोर दिया है।

'अवसर आवेग में करते हैं आत्महत्या'

क्राई-चाइल्ड राइट्स एंड यू की सीईओ पूजा मारवाह ने कहा, 'छोटे बच्चों में, आत्महत्या के प्रयास अक्सर आवेगी होते हैं। वे उदासी, भ्रम, क्रोध, तनाव या ध्यान और अति सक्रियता की समस्याओं से जुड़े हो सकते हैं। किशोरों में, आत्महत्या के प्रयास तनाव, आत्म-संदेह, दबाव, सफल होने के लिए, वित्तीय अनिश्चितता, निराशा, अवसाद और हानि की भावनाओं से जुड़े हो सकते हैं। कुछ किशोरों के लिए, आत्महत्या उनकी समस्याओं का समाधान प्रतीत हो सकता है।'

उन्होंने पीटीआई को बताया, 'हम मानते हैं कि सभी बच्चों और किशोरों को गुणवत्तापूर्ण मानसिक स्वास्थ्य देखभाल और मनो-सामाजिक समर्थन तंत्र का अधिकार है। उनकी मानसिक भलाई सुनिश्चित करने से उन्हें अपनी पूरी क्षमता तक बढ़ने और समाज के लिए आवश्यक सदस्य बनने में मदद मिल सकती है।'

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौया द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)